बुधवार
10 जून
वर्ष-1
अंक-28

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI No.-JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

मोदी सरकार के 12 वर्षों में गरीब कल्याण-विकास साथ-साथ चले: शाह

पिछले 12 वर्षों में कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास के क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास के क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि नरेन्द्र मोदी ने आज के ही दिन तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

मोदी के नेतृत्व में इन 12 वर्षों में देश ने पहली बार गरीब कल्याण और अभूतपूर्व विकास को समांतर रूप से चरितार्थ होते देखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिना एक दिन का अवकाश लिए निरंतर देश और देशवासियों की सेवा की है। इस अवधि में सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, देशभर में 90 से अधिक नए हवाई अड्डे और 140 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें शुरू कीं। शाह के अनुसार, चार करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के मकान दिए गए, 1.45 लाख किलोमीटर सड़कों तथा 3,000 किलोमीटर से अधिक आधुनिक एक्सप्रेसवे का निर्माण हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि 50 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिला और 10 करोड़ से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए।

गृह मंत्रालय स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा को आगे बढ़ा रहा: अमित शाह

शाह ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में सीमा प्रबंधन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा और बहुआयामी रणनीति के साथ देश की स्थलीय सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस विजन में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने कहा कि लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (विनिमय) तैयार करते समय सभी हितधारकों की जरूरतों और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा गया है। उनके अनुसार यह प्रणाली स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा के साथ मिलकर अधिक सुरक्षित और मजबूत सीमा प्रबंधन व्यवस्था के निर्माण में सहायक होगी।

प्रधानमंत्री फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जायेंगे, एवियन में होने वाली जी7 शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-19 जून के बीच फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान वे जी7 नेताओं और आमंत्रित भागीदार देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। प्रधानमंत्री फ्रांस में 13-14 जून (नीस) और 16-19 जून (एवियन और पेरिस) की आधिकारिक यात्रा करेंगे और बीच में 14-16 जून को स्लोवाकिया की यात्रा करेंगे। यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री 14 जून को नीस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

सबसे लंबे कार्यकाल के लिए पीएम को मिल रही विश्व नेताओं की बधाई

नई दिल्ली। भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नरेन्द्र मोदी को उनकी उपलब्धियों पर विश्व के नेताओं से बधाई और शुभकामना संदेश मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार विश्वभर के नेताओं ने प्रधानमंत्री के परिवर्तनकारी शासन, वैश्विक दक्षिण के लिए उनके प्रयासों और समावेशी एवं आर्थिक रूप से गतिशील भारत के उनके दृष्टिकोण की सराहना की है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायका ने 8 जून को प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में श्रीलंका सरकार और जनता की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए कहा, यह उपलब्धि न केवल आपके कार्यकाल का प्रमाण है, बल्कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की जनता द्वारा आपके नेतृत्व पर बार-बार जताए गए विश्वास और भरोसे का भी प्रमाण है।

राष्ट्रपति ने भारत के उल्लेखनीय आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन पर भी प्रकाश डाला और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण ने श्रीलंका सहित भारत की सीमाओं से परे भी कई देशों को प्रेरित किया है।

प्रधानमंत्री ने कुवैत के अमीर से की बात, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबा से टेलीफोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सुरक्षा स्थिति पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हुए हमलों की भारत की ओर से कड़ी निंदा दोहराई और इस मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति की अपील दोहराई। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने कुवैत में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने पर अमीर का आभार भी व्यक्त किया।

ओमान के पास जहाज पर हुए हमले में 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित

नई दिल्ली/एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ओमान तट के पास पलाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी मैरिवेक्स पर हुए हमले में सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित बचा लिए गए हैं। भारतीय दूतावास ने ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय कर नाविकों को सुरक्षित निकालने में मदद की। मंत्रालय ने ओमान सरकार का आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि ओमान तट के पास पलाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी मैरिवेक्स पर हमला हुआ था। घटना से पहले जहाज के चालक दल और अमेरिकी नौसेना के बीच कुछ संवाद हुआ था। जहाज पर चालक दल के कुल 24 सदस्य सवार थे, सभी भारतीय नागरिक हैं। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। भारतीय दूतावास ने ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय कर बचाव अभियान संचालित किया। मंत्रालय ने ओमान सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि दूतावास नाविकों के संपर्क में है। उल्लेखनीय है कि मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी मुंबई) को सोमवार दोपहर करीब 2:20 बजे जहाज पर हमले की सूचना मिली थी। यह सूचना जहाज पर मौजूद एक नाविक के परिजन द्वारा दी गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एमआरसीसी मुंबई ने तुरंत ओमान के समुद्री खोज एवं बचाव केंद्र (ओएमएससी) से संपर्क किया और चालक दल को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके बाद ओमान की एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। ओमान के समुद्री बचाव केंद्र ने शाम करीब पांच बजे पुष्टि की कि ओमान नौसेना के हेलीकॉप्टरों ने सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया और किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। तटरक्षक बल ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि एमआरसीसी मुंबई ने सूचना मिलते ही तुरंत ओमान की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया।

एशिया की सबसे लंबी जोजिला टनल ब्रेकथ्रू; कश्मीर से लद्दाख जाना हुआ आसान

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कारगिल के मीनामार्ग स्थित जोजिला सुरंग परियोजना के मुख्य सुरंग ब्रेकथ्रू (आरपार होना) का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और अधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि जोजिला सुरंग परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-1 पर बालटाल से मीनामार्ग तक लगभग 14 किलोमीटर लंबी द्विदिशीय (टू वे) सुरंग के निर्माण से जुड़ी है। 6,800 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही यह परियोजना एशिया की सबसे लंबी सुरंग है। 2,900 से 3,310 मीटर की ऊंचाई पर निर्मित यह सुरंग कठिन मौसम और जटिल भूगर्भीय परिस्थितियों के बीच भारतीय इंजीनियरिंग क्षमता का उदाहरण है।

गडकरी ने बताया कि सुरंग में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम, ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन, सीसीटीवी निगरानी और पैदल यात्रियों के लिए क्रॉस पैसेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सुरक्षा के लिए कट-एंड-कवर सेक्शन, पुल, पुलिया, स्नो गैलरी, कैच डैम और हिमस्खलन सुरक्षा संरचनाएं भी

'ऑल-वेदर कनेक्टिविटी से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी'

गडकरी ने कहा कि यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक अवसर का आधार बनेगी। ऑल-वेदर कनेक्टिविटी से क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे भारत की अवसंरचना यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय बताया। सुरंग के निर्माण से सोनमर्ग से मीनामार्ग तक की यात्रा दो घंटे से घटकर मात्र 30 मिनट रह जाएगी। इससे समय और ईंधन की बचत होगी, दुर्घटनाओं और हिमस्खलन के जोखिम में कमी आएगी तथा पर्यटन और व्यापार को नई गति मिलेगी। परियोजना से भारतीय सेना की आवाजाही और रसद आपूर्ति भी अधिक तेज और सुरक्षित होगी। गडकरी ने बताया कि सुरंग में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम, ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन, सीसीटीवी निगरानी और पैदल यात्रियों के लिए क्रॉस पैसेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सुरक्षा के लिए कट-एंड-कवर सेक्शन, पुल, पुलिया, स्नो गैलरी, कैच डैम और हिमस्खलन सुरक्षा संरचनाएं भी बनाई जा रही हैं।

नमो भारत ने बनाया नया रिकॉर्ड, एक दिन में 1.25 लाख से अधिक यात्रियों ने किया सफर

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर ने यात्री संख्या का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 8 जून को एक ही दिन में लगभग 1.25 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान की। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनसीआरटीसी के अनुसार, सोमवार को कॉरिडोर पर करीब 1,25,500 यात्रियों ने यात्रा की, जो अबतक की सबसे अधिक दैनिक यात्री संख्या है। एनसीआरटीसी ने कहा कि यह उपलब्धि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लोगों की यात्रा संबंधी आदतों में आ रहे बदलाव को दर्शाती है, जहां बड़ी संख्या में यात्री तेज, भरोसेमंद और समयबद्ध सार्वजनिक परिवहन के रूप में नमो भारत को प्राथमिकता दे रहे हैं। एनसीआरटीसी ने बताया कि वर्तमान में औसतन करीब एक लाख यात्री प्रतिदिन नमो भारत सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं।

हस्ताक्षर विवाद मामले में अभिषेक बनर्जी ने सीआईडी से फिर मांगा अतिरिक्त समय

कोलकाता/एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हस्ताक्षर विवाद मामले में पूछताछ के लिए सीआईडी द्वारा निर्धारित समयसीमा समाप्त होने से पहले एक बार फिर अतिरिक्त समय की मांग की है। सीआईडी ने उन्हें मंगलवार शाम पांच बजे तक पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन समय सीमा समाप्त होने से पहले ही उन्होंने नया पत्र भेजकर पेशी के लिए और समय देने का अनुरोध किया। सूत्रों के अनुसार, अभिषेक बनर्जी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वह वर्तमान में दिल्ली में हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि हस्ताक्षर विवाद और सीआईडी के नोटिस से जुड़े मामले को लेकर उन्होंने पहले ही अदालत का रुख किया है और मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। इसी आधार पर उन्होंने जांच एजेंसी से अतिरिक्त समय की मांग की है।

यह मामला उस कथित हस्ताक्षर विवाद से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस विधायकों के हस्ताक्षर वाली एक प्रस्तावित चिट्ठी में कुछ हस्ताक्षर फर्जी तरीके से शामिल किए गए थे। इस विवाद के बाद पार्टी के भीतर भी हलचल देखी गई थी, जब उलुबेरिया पूर्व के विधायक ऋतब्रत बनर्जी और एंटाली के विधायक संदीपन साहा ने सबसे पहले इस पर आपत्ति जताई थी। बाद में पार्टी ने दोनों विधायकों को संगठनात्मक पदों से हटा दिया था। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में पुलिस और राज्य अपराध अन्वेषण विभाग संयुक्त रूप से जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक शिकायत के बाद मामला एफआईआर में दर्ज किया गया और आगे की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। इसी जांच के सिलसिले में मंगलवार को सीआईडी की टीम ने कोलकाता के कैमैक स्ट्रीट स्थित अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में तलाशी अभियान चलाया। इसके साथ ही एक अन्य टीम कालीघाट स्थित तृणमूल कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय भी पहुंची, जहां व्यापक तलाशी की गई।

RAFTAAR MEDIA
Satellite News Channel 24X7
RAFTAAR MEDIA
सच के साथ
Also Available on All Leading MSO & OTT Platform
airtel 658
Jio TV 276
TATA sky coming soon
airtel Xstream
PLAYBOXTV
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
dailyhunt
Prime max
Jio tv
Also Available on cable network
net vision 271
MCN 231
NXT DIGITAL 132
ALISHA DIGITAL 295
DEN 894
GTPL 280
RANCHI DIGI TAL TV 28
ABPL 324
ADN 15
Jio Fiber
JioNews
www.raftaarmedia.com

जामताड़ा में नवनियुक्त सहायक आचार्यों की खुली काउंसिलिंग संपन्न, मेधा क्रम के आधार पर हुआ विद्यालय आवंटन

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :
जामताड़ा उपायुक्त आलोक कुमार के निर्देश पर मंगलवार को एसजीएसवाई प्रशिक्षण भवन, जामताड़ा में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अनुशंसित नवनियुक्त सहायक आचार्यों के विद्यालय आवंटन एवं पदस्थापन के लिए खुली काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उप विकास आयुक्त असीम किसपोट्टा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह काउंसिलिंग झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की गई। इसमें कक्षा छह से आठ तक के लिए चयनित सहायक आचार्यों ने भाग लिया। काउंसिलिंग के दौरान सामाजिक विज्ञान विषय के 58, विज्ञान एवं गणित विषय के 21 तथा भाषा विषय के 22 सफल एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों को मेधा क्रमांक के आधार पर विद्यालय चयन का अवसर प्रदान किया गया। प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया। अभ्यर्थियों के समक्ष रिक्त विद्यालयों की सूची प्रदर्शित की गई, जिसके बाद उन्हें आयोग

द्वारा जारी मेधा सूची के अनुसार अपनी पसंद का विद्यालय चुनने का अवसर मिला। इससे चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वास कायम रहा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त असीम किसपोट्टा ने कहा कि विभागीय दिशा-निदेर्शों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया गया है।उन्होंने कहा कि मेधा क्रम और अभ्यर्थियों की वरीयता के आधार पर विद्यालय चयन का अवसर प्रदान करना विभाग की प्राथमिकता रही है। काउंसिलिंग के सफल संचालन में एपीओ मनोज कुमार, बीणा रानी, बीईईओ मिलन कुमार घोष, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी सर्किल मरांडी, शिक्षक चंद्रशेखर सिंह, शिक्षक विद्यासागर, कंप्यूटर ऑपरेटर सुदर्शन कुमार तथा प्रधान लिपिक दिलीप हेंब्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जेएससीए स्टेडियम में सजेगा टी-20 का महाकुंभ, दर्शकों के लिए प्रवेश नि :शुल्क

रांचीः झारखंड के क्रिकेट इतिहास में पहली बार आईपीएल की तर्ज पर आयोजित हो रही झारखंड टी-20क्रिकेट लीग का आगाज 10 जून से जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में होने जा रहा है। राज्य के छह क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें मैदान पर उतरेंगी और अगले दो सप्ताह तक क्रिकेट प्रेमियों को चौकों, छक्कों और रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद मिलेगा।

एस जे अपलिफ्ट के निदेशक संभव जैन ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि टूनामेंट के उद्घाटन समारोह को भव्य और यादगार बनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। बॉलीवुड गायिका कणिका कपूर अपने गीतों से समां बांधेंगी, वहीं झारखंड के स्थानीय कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। क्रिकेट और मनोरंजन का यह संगम आयोजन को खास बनाएगा।

रोज होंगे दो मुकाबले, पहला मैच दिन के 12 बजे और दूसरा सांय 7 बजे होगा आरंभ

लीग चरण में प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला दोपहर 12 बजे और दूसरा शाम 7:30 बजे शुरू होगा। 22 जून को दोनों सेमीफाइनल खेले जाएंगे, जबकि 23 जून की रात फाइनल मुकाबले के साथ पहले झारखंड टी-20 चैंपियन का ताज किस टीम के सिर सजेगा, इसका फैसला होगा।

सबसे खास बात यह है कि क्रिकेट प्रेमी बिना किसी टिकट शुल्क के स्टेडियम में प्रवेश कर मैचों का आनंद ले सकेंगे। मैच के निर्धारित समय से दो घंटे पहले दर्शक स्टेडियम में प्रवेश कर सकेंगे . जो दर्शक मैदान नहीं पहुंच पाएंगे, वे जियो हॉटस्टार और डीडी स्पोर्ट्स पर मुकाबलों का सीधा प्रसारण देख सकेंगे।

झारखंड के क्रिकेट सितारों को निखारने का मंच

इस लीग में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के नाम पर बनी छह टीमें हिस्सा ले रही हैं। टीमों की कमान अनुभवी कोचों के हाथों में होगी। रांची टाइटंस के हेड कोच रतन कुमार, धनबाद डायमंड्स के राहुल शुक्ला, जमशेदपुर स्टीलर्स के एस.पी. गौतम, संथाल स्ट्राइकर्स के शब्बीर हुसैन, कोयलांचल सुपर किंग्स के सनी गुप्ता और छोटानागपुर रॉयल्स के इशांक जग्गी अपनी-अपनी टीमों को खिताब दिलाने की रणनीति में जुटे हैं। झारखंड क्रिकेट के लिए यह लीग सिर्फ एक टूनामेंट नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को बड़ा मंच देने और राज्य में क्रिकेट संस्कृति को नई ऊंचाई तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब नजरें 10 जून पर टिकी हैं, जब झारखंड की धरती पर टी-20 क्रिकेट का यह महासंग्राम शुरू होगा।

पालकोट में सोलर हाई मास्ट लाइट लगने से लोगों में खुशी

रफ्तार संवाददाता रंजीत पालकोट। पालकोट प्रखंड मुख्यालय में दो महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर सोलर हाई मास्ट लाइट लगाए जाने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। बस स्टैंड स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण तथा थाना तालाब के छठ घाट परिसर में सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापित होने से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है।जानकारी के अनुसार, यह कार्य सांसद प्रतिनिधि बसंत गुप्ता के अथक प्रयासों तथा खूंटी लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण मुंडा एवं उपायुक्त गुमला के सहयोग से संभव हो पाया है। लंबे समय से इन स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेषकर छठ महापर्व के दौरान थाना तालाब स्थित छठ घाट पर अंधेरा रहने से श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों को परेशानी होती थी।सोलर हाई मास्ट लाइट लगने के बाद अब शाम और रात्रि के समय इन स्थानों पर बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी, जिससे लोगों की सुरक्षा और सुविधा दोनों बढ़ेंगी। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है।

रथ यात्रा से पहले जगन्नाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य जारी

पूरी धाम के तर्ज पर निकलती है रथ यात्रा

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता
रांचीः भगवान जगन्नाथ को समर्पित रथ यात्रा आगामी 16 जुलाई को देश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी इस बीच झारखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक राजधानी रांची के धुर्वा स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में जीर्णोद्वार कार्य जोरो शोरों से चल रही है। रथ यात्रा के दौरान लाखों की संख्या में भगवान जगन्नाथ के भक्त अपने देवता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं इस वर्ष उन्हें मंदिर में नए बदलाव देखने को मिलेंगे।

पूरी के तर्ज पर लक्ष्मी मंदिर का निर्माण

धुर्वा स्थित जगन्नाथ मंदिर के प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव बताते हैं कि बड़कागढ़ के राजा स्वर्गीय ठाकुर एनिनाथ शाहदेव द्वारा इस मंदिर का निर्माण 1691 ईसवी में कराया गया था ठीक पूरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के तर्ज पर क्योंकि यहां के लोगो की आस्था भगवान जगन्नाथ के प्रति थी। जगन्नाथपुर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूरी धाम के तर्ज पर ही विधि विधान से पूजा अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया हमारे पूर्वज हमेशा मां लक्ष्मी की मंदिर का निर्माण यहां पर कराना चाहते थे जैसे पूरी धाम में है अब उनका सपना पूरा हो रहा है लक्ष्मी मंदिर का कार्य जारी है रथ यात्रा के बाद प्राण प्रतिष्ठा की विधी सम्पूर्ण होगी।

सिंह द्वार और गज द्वार का जीर्णोद्धार कार्य जारी

वहीं, मंदिर में मौजूद सिंह द्वार और गज द्वार को लेकर सुधांशुनाथ शाहदेव का कहना है कि इन दोनों द्वारों जीर्णोद्धार कार्य तेजी से किया

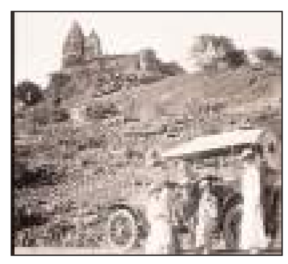

जगन्नाथ मंदिर की पुरानी तस्वीर लगभग 1940 वर्ष की।

जा रहा है। उन्होंने बताया जब श्रद्धालु इस वर्ष रथ यात्रा में मंदिर पहुंचेंगे तो उन्हें और अधिक आकर्षक मंदिर परिसर देखने को मिलेगा क्योंकि द्वार के साथ साथ सीढ़ियों को भी बदला गया है ताकि मंदिर प्रवेश के दौरान किसी भी तरीके के परेशानी का सामना ना करना पड़े।

भोग प्रसाद की है अहम विशेषता

भगवान जगन्नाथ को समर्पित भोग प्रसाद को ग्रहण करना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है यही कारण है कि सामान्य दिनों भी श्रद्धालु प्रभु जगन्नाथ का दर्शन कर अपने परिजनों के साथ भोग ग्रहण करते हैं। रथ यात्रा से पूर्व भोग मंडप को भी भव्य बनाया जा रहा है जिससे श्रद्धालुओं को भोग ग्रहण करने में सुविधा होगी। मंदिर के पुजारी बिपिन उपाध्याय बताते हैं कि रोजाना लगभग 300 लोगो के लिए भोग प्रसाद का निर्माण किया जाता है यह परम्परा वर्षों से जारी है। वहीं मंदिर के प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशुनाथ शाहदेव ने बताया कि वर्षों से भोग प्रसाद निर्माण की परम्परा है जो अब तक जारी है।

फाउंटेन से मंदिर होगा आकर्षक तो शेड के निर्माण से लोगों को मिलेगी राहत

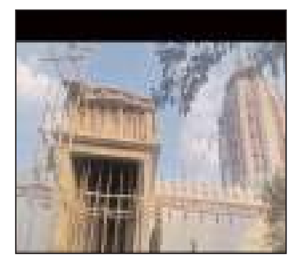

सिंह एवं गज द्वार का निर्माण

जगन्नाथ मंदिर के जीर्णोद्वार कार्य पर प्रकाश डालते हुए मंदिर के प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशुनाथ शाहदेव ने बताया कि मंदिर के मुख्य द्वार अर्थात सिंह द्वार के समीप दो फाउंटेन बनाए जा रहे हैं, जो आकर्षण का केंद्र होंगे। इसके अलावा गज द्वार की ओर श्रद्धालुओं के बैठने के लिए दो शेड बनाए गए हैं, जिससे उन्हें काफी राहत मिलेगी।

पर्यटन विभाग का सहयोग से जगन्नाथ मंदिर और मौसीबाड़ी का जीर्णोद्वार कार्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार जगन्नाथ मंदिर और मौसीबाड़ी का सौंदर्यीकरण जिला पर्यटन विभाग की ओर से 3 करोड़ 11 लाख रुपए की लागत से कराया जा रहा है। बता दे, मुख्य मंदिर तक पहुंचने वाला पीछे का रास्ता जो क्षतिग्रस्त हो गया था उसे उपयोग योग्य बना दिया गया है, जबकि सड़क का पुनर्निर्माण आरसीडी की ओर से कराया जा रहा है। इसका कार्य तेजी से चल रहा है। सुधांशु नाथ शाहदेव ने बताया कि पिछले छह माह से कार्य चल रहा है और इसे रथ यात्रा से पहले पूरा कर लिया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सड़क बनने के बाद पार्किंग की बेहतर व्यवस्था भी

जगन्नाथ मंदिर परिसर में लक्ष्मी मंदिर का निर्माण

हो सकेगी, क्योंकि सड़क को चौड़ा किया जा रहा है।

सीढ़ियों में कोटा स्टोन और रैंप का भी निर्माण

बता दे, मंदिर के सीढ़ियों में कोटा स्टोन लगाए गए हैं तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलिंग भी लगाई गई है। साथ ही बाईं ओर रैंप भी बनाया गया है, ताकि असमर्थ लोगों के लिए दर्शन सुगम हो सके।मंदिर के चारों ओर चबूतरा बनाया गया है। इसका उपयोग भोग स्थल के रूप में किया जाएगा, जहां भक्त बैठकर विश्राम कर सकेंगे। साथ ही लाइटिंग की भी बेहतर व्यवस्था की गई है। सुधांशु नाथ शाहदेव के अनुसार इस वर्ष मौसीबाड़ी भक्तों को एक अलग ही स्वरूप में दिखाई देगी और दोनों मंदिरों में रैंप का भी सौंदर्यीकरण किया गया है, जिससे असमर्थ लोग आसानी से आ जा सकें। वहीं, उन्होंने बताया की नीलाद्रि भवन के सामने पार्क का निर्माण सीसीएल के सीएसआर फंड से 2.11 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। लाइटिंग की व्यवस्था मौसीबाड़ी से लेकर मंदिर तक उपयुक्त मात्रा में की जा रही है। जगन्नाथ मंदिर के समीप नगर निगम की ओर से महोदधि और मार्कंडेय तालाब का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

29 जून को स्नान यात्रा का होगा आयोजन

रथ यात्रा से पूर्व आगामी 29 जून को प्रभु जगन्नाथ का महास्नान विधि विधान से होगा। ठाकुर सुधांशुनाथ शाहदेव ने बताया कि इस दिन महाप्रभु को 51-51-51 द्रव्यों से स्नान कराया जाएगा। इसके बाद भगवान बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिनों के लिए एकांतवास में चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि महाप्रभु जगन्नाथ 15 जुलाई को एकांतवास से बाहर आएंगे, जिसके बाद उनका श्रृंगार और नेत्रदान होगा। इसी दिन से भक्तों के लिए भगवान का दर्शन सुलभ हो जाएगा। 16 जुलाई को भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी, जबकि 25 जुलाई को घूरती रथ यात्रा होगी।

पूरी से कारीगर कर रहे हैं रथ का निर्माण

रथ यात्रा के दौरान जिस रथ में प्रभु जगन्नाथ स्वामी अपने भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान होंगे उस रथ का निर्माण अक्षय तृतीया के दिन से शुरू हो चुका है। मंदिर के प्रथम सेवक के अनुसार यह रथ का निर्माण पुरी के दसरथ महाराणा द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी 1 जुलाई से रथ की निर्माण में तेजी आएगी और पूरी के तर्ज पर ही भगवान जगन्नाथ के लिए भव्य रथ का तैयार हो जाएगा और इस रथ का नाम नंदीघोष रथ है परम्परा रही है कि इसी नंदीघोष नामक एक ही रथ में भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथरूड होते हैं जबकि पूरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में तीन अलग अलग रथ का निर्माण किया जाता है।

सेल रांची में भ्रष्टाचार का संगठित खेल? समरजीत जाचुक एवं पी.के. रथ पर गंभीर आरोप, राष्ट्रीय स्तर की निष्पक्ष जांच की उठी मांग

रफ्तार मीडिया
रांची । सेल रांची में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग, ठेकेदारी संरक्षण, कथित उगाही एवं प्रभाव के बल पर अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोपों को लेकर आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

सेल के सीजीएम एवं डीपीएस रांची के वाइस चेयरमैन श्री समरजीत जाचुक तथा एसआरयू-ईडी श्री प्रसन्ना कुमार रथ (पी.के. रथ) पर लगे गंभीर आरोप अब व्यापक चर्चा का विषय बन चुके हैं।

सूत्रों एवं कर्मचारियों के बीच लंबे समय से यह चर्चा रही है कि दोनों अधिकारियों की कथित मिलीभगत से सेल रांची में प्रभाव, दबाव और संरक्षण आधारित तंत्र विकसित हुआ, जिसके माध्यम से कई वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं को बढ़ावा मिला। ठेकेदारों से निकट संबंध एवं कथित संरक्षण के बदले लाभ पहुँचाने के आरोप भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं।

सेल रांची के एसआरयू-ईडी श्री प्रसन्ना कुमार रथ (पी.के. रथ) पर ठेकेदारों के पैसों से कई बार पूरे परिवार सहित विदेश यात्राएँ करने के गंभीर आरोप लगे हैं, जिसकी चर्चा लंबे समय से सेल के विभिन्न विभागों में होती रही है।

यह भी आरोप है कि इन मामलों से जुड़ी शिकायतों एवं जांचों को प्रभाव और पैसे के बल पर दबाने का प्रयास किया गया।

रामगढ़ स्थित बिहार फाउंड्री लिमिटेड से जुड़ा मामला भी गंभीर सवालों के घेरे में है। आरोप है कि जहाँ एक ओर सेल की भूमि लगातार कम होती जा रही है, वहीं दूसरी ओर बिहार फाउंड्री लिमिटेड के विस्तार को कथित रूप से संरक्षण दिया जा रहा है।

बताया जाता है कि इस मामले के विरोध में 600 से 800 कर्मचारियों द्वारा पी.के. रथ के विरुद्ध हस्ताक्षरयुक्त शिकायत सेल के सीवीओ को सौंपी गई थी, लेकिन अब तक किसी भी

संबंधित अधिकारी पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में भारी असंतोष है।

सूत्रों के अनुसार, पी.के. रथ एवं समरजीत जाचुक उड़िया बंधुओं की कथित मिलीभगत और प्रभाव का व्यापक असर सेल के विभिन्न विभागों में देखने को मिलता रहा है।

सेल में खरीदी गई प्रेस मशीन को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। आरोप है कि कथित रूप से ठेकेदारों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से सिंगल टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से खरीद को प्रभावित किया गया।

यह चर्चा भी लगातार होती रही है कि जिन ठेकेदारों को लाभ पहुँचाया जाता है, वही कथित रूप से संबंधित अधिकारियों एवं उनके परिवारों की विदेश यात्राओं और अन्य सुविधाओं का इंतजाम करते हैं।

डीपीएस रांची की एडमिशन प्रक्रिया को लेकर भी वर्षों से गंभीर आरोप सामने आते रहे हैं। लाखों रुपये लेकर एडमिशन कराने के आरोप लगातार लगाए जाते रहे हैं।

पूर्ववर्ती प्रिंसिपल को लेकर भी यह चर्चा लंबे समय से होती रही है कि कथित रूप से अवैध कमाई के बल पर मोराबादी, रांची जैसे अत्यंत महंगे एवं पॉश इलाके में बना-बनाया श्श्ढर स्कूल खरीदा गया।

यदि एक स्कूल प्रिंसिपल के स्तर पर इतनी बड़ी संपत्ति अर्जित किए जाने की चर्चा हो सकती है, तो उन अधिकारियों की संपत्ति, वित्तीय गतिविधियों और प्रभाव की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है, जिनके संरक्षण में पूरा तंत्र संचालित होने के आरोप लगते रहे हैं।

विशेष रूप से समरजीत जाचुक, जो डीपीएस रांची के वाइस चेयरमैन एवं सेल के महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर रहे हैं, उनकी संपत्तियों, वित्तीय लेन-देन, पदस्थापनाओं एवं प्रशासनिक निर्णयों की विस्तृत जांच की मांग लगातार तेज होती जा रही है।

कर्मचारियों, अभिभावकों एवं विभिन्न वर्गों द्वारा यह मांग की जा रही है कि समरजीत जाचुक एवं पी.के. रथ से जुड़े सभी मामलों की जांच किसी राष्ट्रीय स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए।

साथ ही उनके पूरे कार्यकाल, ठेकेदारी प्रक्रियाओं, भूमि मामलों, मशीन खरीद, डीपीएस एडमिशन प्रक्रिया एवं कथित वित्तीय अनियमितताओं की विस्तृत फॉरेंसिक ऑडिट भी कराई जाए।

कहा जा रहा है कि यदि निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई गई, तो दूध का दूध और पानी का पानी स्वतः सामने आ जाएगा तथा सेल एवं शिक्षा व्यवस्था के नाम पर चल रहे कथित भ्रष्टाचार के पूरे नेटवर्क का पदार्फाश हो सकेगा।

जगन्नाथपुर रथ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की तैयारी तेज

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता
रांचीः रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर से निकली वाली रथ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुट चुका है। इसी क्रम में रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में मंगलवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित का आयोजन किया गया। इस बैठक में आगामी 16 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले 365वें जगन्नाथपुर रथयात्रा महोत्सव को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

जगन्नाथपुर रथयात्रा एक सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक- मंजूनाथ भजंत्री

मौके पर रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने रांची के जगन्नाथपूर मंदिर में आयोजित होने वाली रथ यात्रा की विशेषता को लेकर कहा कि जगन्नाथपुर रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि रांची की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन को प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

मेला क्षेत्र में शराब बिक्री पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि रथयात्रा और मेला अवधि के दौरान मेला परिधि के 500 मीटर के दायरे में शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। प्रशासन द्वारा इस संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। रांची उपायुक्त द्वारा लिया गया यह फैसला श्रृद्धालुओं के लिए लाभदायक साबित होगा क्योंकि नशे पर प्रतिबंध से लोग पूजा अर्चना के साथ साथ

मेले का भी आनंद बिना परेशानी के उठा पाएंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिया गया निर्देश

रथ यात्रा में झारखंड के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे मेला क्षेत्र में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। भीड़ की निगरानी के लिए वॉच टावर बनाए जाएंगे। मेले में अक्सर लोग अपने परिजनों से बिछड़ जाते हैं विशेषकर बच्चे इसलिए खोया पाया केंद्र स्थापित किया जाएगा ताकि मेले में बिछड़ने वाले लोगों को तत्काल सहायता मिल सके।

इसके साथ साथ स्थानीय थाना प्रभारियों को रथयात्रा मार्ग का नियमित निरीक्षण करने और भीड़ प्रबंधन की प्रभावी रणनीति तैयार करने का निर्देश दिया गया है।चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा पूरे मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

यातायात और रूट प्रबंधन पर विशेष फोकस

रथयात्रा तक जाने वाली रूट पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए व्यापक योजना तैयार की जा रही है। रथ मार्ग के दोनों ओर दुकानों को निर्धारित सीमा के भीतर ही लगाने की अनुमति दी जाएगी। पूरे रूट पर विशेष बैरिकेडिंग की जाएगी तथा बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। जिस रास्ते से रथ गुजरेगी उस पर प्रशासन के ओर से अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सड़कों की मरम्मत शीघ्र पूरी करने का निर्देश

बैठक में मंदिर मार्ग और रथयात्रा रूट की सड़कों की मरम्मत कार्यों की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को सभी निर्माण और मरम्मत कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया गया ताकि रथयात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर भी चर्चा

रथयात्रा महोत्सव को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए मेला क्षेत्र में प्लास्टिक और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया.श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में अस्थायी शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। वहीं, रांची नगर निगम को विशेष सफाई अभियान चलाने तथा पूरे मेला क्षेत्र के लिए विस्तृत लेआउट प्लान तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

फायर ब्रिगेड और आपातकालीन सेवाएं रहेंगी सक्रिय

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की विशेष तैनाती की जाएगी। मेला क्षेत्र में आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और रथयात्रा के दौरान बिजली कटौती नहीं होने देने के निर्देश दिए गए हैं।

पार्किंग शुल्क होगा निर्धारित

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग स्थलों का निर्धारण किया जाएगा।पार्किंग शुल्क प्रशासन द्वारा तय किया जाएगा तथा शुल्क सूची का सार्वजनिक प्रदर्शन अनिवार्य होगा ताकि लोगों से मनमानी वसूली न की जा सके।

लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजधानी रांची सहित झारखंड और पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के रथयात्रा महोत्सव में शामिल होने की संभावना है। प्रशासन का लक्ष्य है कि 365वें रथयात्रा महोत्सव को धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक गौरव और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था का आदर्श उदाहरण बनाया जाए।

इनकी रही उपस्थिति

रथ यात्रा को सफल बनाने को लेकर आयोजित की गई बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) धनंजय, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय, जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सह प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशुनाथ शाहदेव एवं मंदिर ट्रस्ट प्रतिनिधियों सहित पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य, विद्युत, जलापूर्ति, यातायात एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर लालखटंगा में आदमकद प्रतिमा का अनावरण, सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने दी श्रद्धांजलि

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची : खिजरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लालखटंगा पंचायत में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा शामिल हुए। उन्होंने बिरसा मुंडा के 'उलगुलान' को भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का गौरवशाली अध्याय बताते हुए कहा कि उनका जीवन, संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और ग्रामीणों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

सड़मा के युवाओं की नई उड़ान: शॉर्ट वेब सीरीज 'झांसा' का शुभारंभ, 7 जुलाई को होगी रिलीज

रफ्तार मीडिया छत्तरपुर:(पलामू) स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और युवाओं को कला एवं मनोरंजन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से छत्तरपुर नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-16 सड़मा में बहुप्रतीक्षित शॉर्ट वेब सीरीज 'झांसा' का भव्य शुभारंभ किया गया। क्षेत्र के युवाओं द्वारा तैयार की गई यह वेब सीरीज आगामी 7 जुलाई को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।
सीरीज के मुख्य अभिनेता एवं निर्देशक अलेक्स चन्द्रा हैं, जिन्होंने अभिनय के साथ निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभाली है। वहीं मुख्य अभिनेत्री पायल कुमारी अपनी दमदार भूमिका में नजर आएंगी। कहानी में मां का महत्वपूर्ण किरदार अन्नू देवी निभा रही हैं, जबकि खलनायक की भूमिका में देवेंद्र सिंह दर्शकों को प्रभावित करेंगे।
इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को सफल बनाने में बबलू कुमार गुप्ता, शम्भू सिंह, नीरज मोनू, रितिक रौशन, प्रिंस यादव, कृष्णा कुमार, बिट्टू कुमार पासवान, गोलू यादव, रुपेश ठाकुर, रोहित, राहुल, रंजन, प्रिंस, ओम कुमार एवं सनोज सागर सहित कई युवाओं का सराहनीय योगदान रहा है।
यह वेब सीरीज यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर "अलेक्स चन्द्रा06" हैंडल से रिलीज की जाएगी।
कार्यक्रम का शुभ उद्घाटन छत्तरपुर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष पद प्रत्याशी रजनीश उर्फ छोटू ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल उन्हें सही मंच और अवसर देने की है। सड़मा के युवाओं ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया है कि छोटे कस्बों से भी बड़े सपनों को साकार किया जा सकता है। यह पहल क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी।"
उन्होंने पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे रचनात्मक प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों को नई पहचान दिलाने का कार्य करते हैं।
'झांसा' के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और दर्शकों को इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। स्थानीय कलाकारों की यह प्रस्तुति न केवल मनोरंजन करेगी, बल्कि छत्तरपुर की प्रतिभाओं को डिजिटल मंच पर नई पहचान भी दिलाएगी।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को लेकर पालकोट में बीएलओ एवं सुपरवाइजरों की बैठक

रफ्तार संवाददाता रंजीत पालकोट। प्रखंड सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, पालकोट की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के साथ मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के संबंध में बैठक आयोजित की गई।बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा झारखंड सहित अन्य राज्यों में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इसके तहत 1 अक्टूबर 2026 को अहर्ता तिथि निर्धारित की गई है।बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग का कार्य 20 जून से 29 जून 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण करेंगे। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त 2026 को किया जाएगा। वहीं दावा-आपत्ति एवं नोटिस के निष्पादन की प्रक्रिया 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 अक्टूबर 2026 को सभी मतदान केंद्रों पर किया जाएगा।बैठक के दौरान मतदान केंद्रों पर किए गए मैपिंग कार्य की भी समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि छह मतदान केंद्रों पर 75 प्रतिशत से कम मैपिंग हुई है। ऐसे केंद्रों के बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को तीन दिनों के भीतर मैपिंग कार्य को 75 प्रतिशत से अधिक करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी मतदाता सूची सुधार कर्मियों को 15 जून 2026 तक सभी मतदान केंद्रों की शत-प्रतिशत मैपिंग सुनिश्चित करने को कहा गया।बैठक में पंचायत राज पदाधिकारी रामलखन सिंह यादव, बीएलओ सुपरवाइजर रंजीत सिंह मुंडा, अशोक वेदिया, लालवती कुमारी, सरोज कुमारी, सुकीत भगत सहित सभी बीएलओ उपस्थित रहे।

आजसू ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि, अध्यक्ष बोले- उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक

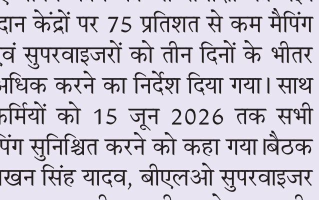

लातेहार, संवाददाता। भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर मंगलवार को चंदनडीह स्थित आजसू पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमित पांडे ने की। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कार्यकताओं ने उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष अमित पांडे ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया तथा आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन आज भी युवाओं और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के नायक नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। उन्होंने अन्याय, शोषण और दमन के खिलाफ संघर्ष कर समाज को नई दिशा दी। उनका बलिदान हमें अपने अधिकारों, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। श्री पांडे ने कहा कि आज के दिन हम सभी को उनके आदर्शों को आत्मसात करने और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। आजसू पार्टी हमेशा भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने बिरसा मुंडा के सपनों के अनुरूप समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का संकल्प लिया। साथ ही सभी ने उनके अमर बलिदान को नमन करते हुए संघर्षों को

ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने पर मंथन, लातेहार में पेसा राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित

लातेहार, संवाददाता। समाहरणालय सभागार में सोमवार को जिला स्तरीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस (पेसा) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त संदीप कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं टाना भगत प्रतिनिधियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन के साथ हुआ। इसके बाद उपायुक्त संदीप कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्राम सभाओं के सशक्तिकरण, अनुसूचित क्षेत्रों में पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था तथा जनजातीय समुदायों के अधिकारों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने संबोधित करते हुए कहा कि पेसा अधिनियम जनजातीय समुदायों के अधिकारों की रक्षा एवं स्थानीय स्वशासन को सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करते हुए ग्राम सभाओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में समन्वित प्रयास करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस विशेष कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पेसा नियमावली-2025 के विभिन्न कानूनी और प्रशासनिक प्रावधानों की स्पष्ट समझ विकसित करना है। सरकार का लक्ष्य अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं की भूमिका को व्यवहारिक रूप से सुदृढ़ बनाना है, ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों और विकास योजनाओं में आम जनभागीदारी को सीधे तौर पर बढ़ावा दिया जा सके। कार्यशाला में पेसा (ढएरअ अ३) के अंतर्गत ग्राम सभा को मिलने वाले अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें मुख्य रूप से जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं उचित प्रबंधन, जनजातीय समुदायों की स्थानीय परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक पहचान का अक्षुण्ण संरक्षण, सरकारी विकास योजनाओं के चयन, क्रियान्वयन और निगरानी में ग्राम सभा की प्रत्यक्ष भूमिका तथा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और पारदर्शिता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा पेसा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी साझा की गई तथा प्रतिभागियों के साथ संवाद कर उनके सुझाव एवं अनुभव प्राप्त किए गए।
इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, एलआरडीसी प्रभात कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मेरी मड़की, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, जिला स्तरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, टाना भगत प्रतिनिधिगण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी तंत्र की सुस्ती: धनबाद में मानसून की दस्तक, पर पैक्स के गोदामों में ताले; 70 किलो महंगा बीज खरीदने को मजबूर अन्नदाता

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता, धनबाद:

मानसून के आगमन के साथ ही जहां धनबाद जिले भर के खेतों में हलचल तेज हो गई है, वहीं दूसरी ओर सरकारी बदइंतजामी ने अन्नदाता के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। खरीफ सीजन की शुरूआत हो चुकी है, लेकिन सरकार की तरफ से पैक्स के माध्यम से बेहद कम कीमत पर मिलने वाला सरकारी धान का बीज अब तक किसानों को नसीब नहीं हुआ है। खेतों में बिचड़ा (पौधा) डालने का सही समय निकला जा रहा है, जिसके कारण आक्रोशित किसान खुले बाजार से 60 से 70 रुपये प्रति किलो के महंगे दामों पर धान का बीज खरीदने को मजबूर हैं। जिले में कई जगहों पर महंगे बीज से बिचड़ा तैयार भी हो चुका है, लेकिन सरकारी तंत्र अभी तक सुस्ती की नींद सोया हुआ है।

दोहरी मार झेल रहे हैं हम: हरिपद रजक

जिले के किसान हरिपद रजक ने अपना दुखड़ा सुनाते हुए कहा, "सरकार की नीतियां हमेशा किसानों के खिलाफ ही साबित होती हैं। हमें कभी भी सही समय पर सरकारी लाभ नहीं मिलता। जब हमारी फसल तैयार होती है, तो पैक्स बंद रहते हैं या खरीद लेट शुरू होती है। नतीजा यह होता है कि हमें अपनी खून-पसीने की गाढ़ी कमाई औने-पौने दामों पर निजी व्यापारियों को बेचनी पड़ती है। और अब जब खेती का समय आया है, तो सरकारी बीज गायब है। हम मजबूर होकर दुकानदारों से महंगे दामों पर बीज खरीद रहे हैं। सरकारी लाभ के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति की जा रही है।"

समय बीत जाने के बाद क्या पैदावार खाक होगी?: नागेश्वर बास्की

वहीं, एक अन्य पीड़ित किसान नागेश्वर बास्की ने तीखी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, "धान की खेती में समय का सबसे बड़ा महत्व है। अगर सही समय पर बिचड़ा खेत में नहीं डाला गया, तो पूरी फसल चक्र प्रभावित हो जाती है। जब सीजन ही पार हो जाएगा, तब सरकारी बीज गोदामों से बाहर निकलेगा। देर से मिले उस बीज का हम क्या करेंगे? क्या समय बीत जाने के बाद बेहतर पैदावार हो पाएगी? सरकार और प्रशासन से हमारी मांग है कि खेती से जुड़ी हर चीज सही समय पर मुहैया कराई जाए, ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े।"

त्रुटियां दूर कर ली गई हैं, 15 से मिलेगा बीज: जिला कृषि पदाधिकारी

इस पूरे मामले पर जब जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा से बात की गई, तो उन्होंने माना कि व्यवस्था में कुछ प्रशासनिक और तकनीकी खामियां थीं।
उन्होंने कहा, "सिस्टम की सभी त्रुटियों को अब पूरी तरह से दुरुस्त कर लिया गया है। आगामी 15 तारीख से जिले के सभी पैक्स और निर्धारित केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुचारू रूप से धान का बीज मिलना शुरू हो जाएगा।"

बड़ा सवाल: ऐन वक्त पर ही क्यों फेल होती है मशीनरी?

अधिकारियों ने भले ही 15 तारीख से बीज वितरण का आश्वासन दे दिया है, लेकिन किसानों का सवाल बेहद जायज है। आखिर हर साल खेती के ऐन वक्त पर ही सरकारी मशीनरी क्यों फेल हो जाती है? जब अधिकांश किसान बाजार से महंगा बीज खरीदकर खेतों में डाल चुके होंगे, तब देर से आने वाले सरकारी बीज का लाभ किसे मिलेगा? यह सरकारी पैसे की बबार्दी नहीं तो और क्या है?

डीसी ने मेदिनीनगर नगर निगम,नगर पंचायत व नगर परिषद द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर/ पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को जिले के विभिन्न नगर पंचायत,नगर परिषद व मेदिनीनगर नगर निगम द्वारा संचालित कार्यों की अद्यतन जानकारी ली गई एवं आवश्यकतानुसार विभिन्न निर्देश दिये गए।इस दौरान डीसी ने सर्वप्रथम पिछली बैठक के अनुपालन प्रतिवेदन की समीक्षा की।मेदिनीनगर नगर निगम की समीक्षा के दौरान उन्होंने जुडको द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की जानकरी लेते हुए कार्यों में तेजी लाने की बात कही गयी।इस दौरान वाटर सप्लाई,वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के स्टेटस की जानकारी ली गयी।वहीं अघोर आश्रम में बन रहे शहरी योजना के फ्लैट्स के सभी तकनीकी पहलुओं को समाधान कर 15 दिनों के भीतर फ्लैट्स का गृह प्रवेश कराने की बात कही।उन्होंने विभिन्न नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी को स्थानीय लोगों के बेहतरी के मद्देनजर योजनाओं को क्रियान्वित करने की बात कही।वहीं वार्ड 23 में निर्माण किये जा रहे इनडोर स्टेडियम के प्रगति की जानकारी ली,बताया गया कि कायादेश निर्गत होने के पश्चात कार्य प्रगति पर है।इसी तरह छत्तरपुर,हुसैनाबाद व हरिहरगंज नगर पंचायत में किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी।इस दौरान अर्बन वाटर सप्लाई,बस व ऑटो स्टैंड के निर्माण हेतु जमीन की उपलब्धता,स्ट्रीट लाइट नया अधिष्ठापन एवं मरम्मती,साफ-सफाई,होल्डिंग टैक्स वसूली,प्रॉपर्टी टैक्स,एफएसटीपी, सॉलिड एवं लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट,पार्कों के निर्माण कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा कर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त,सभी संबंधित कार्यपालक पदाधिकारी समेत अर्बन लोकल बॉडी से जुड़े अन्य विभिन्न पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर नया मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण/पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा के त्याग, संघर्ष एवं राष्ट्रहित में दिए गए उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया।

जेएलकेएम के सुप्रियो द्वारा पलामू प्रमंडल के लिए पांच केंद्रीय प्रभारी बनाए गए

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर/ पलामू झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के सुप्रीमो द्वारा पलामू प्रमंडल के लिए पांच केंद्रीय प्रभारी बनाए गए हैं। इनमें महेंद्र मंडल, मनोज यादव, सूरज साहू, माही पटेल और प्रेम नायक शामिल हैं। संगठन को मजबूत करने के लिए इन सभी प्रभारियों का पलामू प्रमंडल में 11 जून से दौरा शुरू हो रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार 11 जून को लातेहार जिला कमेटी का पुनर्गठन, 12 जून को पलामू जिला कमेटी का पुनर्गठन, 13 जून को गढ़वा जिला कमेटी का पुनर्गठन तथा 14 जून को पलामू प्रमंडलीय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सभी कमेटियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। उक्त जानकारी डाल्टनगंज-भंडारिया के पूर्व प्रत्याशी अनिकेत मेहता ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। इधर, पलामू जिला के अध्यक्ष दिलीप मेहता ने बताया कि पलामू जिला कमेटी का पुनर्गठन एवं विस्तार कार्यक्रम 12 जून 2026 को रखा गया है।

हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम में 62 मामलों पर हुई सुनवाई

**दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो**

समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में आयोजित हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त 62 आवेदनों पर विस्तार से विचार करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा मामलों के शीघ्र निष्पादन पर बल दिया।सुनवाई के दौरान बिजली, आपूर्ति, भू-अर्जन, ग्रामीण विकास विभाग,खेल, एवं विभिन्न अंचल कार्यालयों से संबंधित मामलों को प्रमुखता से लिया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का निष्पादन निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए तथा आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।
उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी निष्पादन प्रशासन की जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रम लोगों को अपनी बात सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं तथा शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास को मजबूत करते हैं।
जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी लोक संवाद का आयोजन किया गया। वहां प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों द्वारा सुनवाई की गई। कई मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि अन्य मामलों में आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।
कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची पहुंचे एशिया कप के चैंपियन खिलाड़ियों का भव्य स्वागत, एयरपोर्ट पर बजा हॉकी खिलाड़ियों का डंका

(वरिय संवाददाता शंकर)

काकामीगाहारा, जापान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारत को गौरवान्वित करने वाले झारखंड के 8 हॉकी खिलाड़ियों का आज रांची में जोरदार स्वागत हुआ। दिल्ली में हॉकी इंडिया के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी खिलाड़ी आज अपने गृह राज्य झारखंड पहुंचे।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इस टूनार्मेंट में 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान में स्वर्ण पदक जीता। वहीं भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया और पूरे एशिया महादेश में भारत का नाम ऊंचा किया।

झारखंड के खिलाड़ियों ने बढ़ाया मान

स्वर्ण पदक विजेता भारतीय पुरुष टीम में झारखंड के आशीष तनी पूर्ति और प्रेमचंद शामिल थे। कांस्य पदक विजेता भारतीय महिला टीम में झारखंड की संदीपा कुमारी, पुष्पा मांझी, सुगन सांगा, खिली कुमारी, नीलम टोपनो और श्रुति कुमारी ने अहम भूमिका निभाई।

पारंपरिक अंदाज में हुआ स्वागत

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उतरते ही हॉकी झारखंड की अगुवाई में सभी 8 खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। सभी खिलाड़ियों को पारंपरिक रीति-रिवाज से हाथ धोकर, फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, केशव महतो कमलेश बोले- उलगुलान की चेतना आज भी प्रासंगिक

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची)
रांची, 09 जून 2026: धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर सोमवार को पूरे झारखंड में श्रद्धा के साथ उन्हें याद किया गया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।
इस अवसर पर कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, राज्यसभा सांसद उम्मीदवार प्रणव झा, विधायक ममता देवी, दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी सुरेन्द्र चौधरी, सतीश पॉल मुंजनी, अभिलाष साहु, लाल किशोर नाथ शाहदेव, गजेन्द्र सिंह, राजन वर्मा, अख्तर अली, कमल ठाकुर, विजय खां समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।
इसके बाद कांग्रेस भवन, रांची में भी शहादत दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां भी कांग्रेसजनों ने धरती आबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

खूंटकट्टी बचाने के लिए लड़ा उलगुलान: कमलेश

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि आज पूरा राज्य धरती आबा को श्रद्धा और सम्मान से याद कर रहा है। उन्होंने कहा, ह्यअंग्रेजी शासन की शोषणकारी नीतियों के कारण मुंडाओं की सामूहिक खूंटकट्टी व्यवस्था समाप्त होने के कगार पर पहुंच गई थी। जमीन छीनी जा रही थी, जंगल पर अधिकार खत्म हो रहे थे। तब बिरसा मुंडा ने उलगुलान का बिगुल फूंका।
कमलेश ने कहा कि बिरसा मुंडा ने जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ी और आदिवासी अस्मिता को बचाया। ह्यआज भी जब आदिवासियों के अधिकारों पर हमला होता है, बिरसा मुंडा का उलगुलान हमें रास्ता दिखाता है। उनकी चेतना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है,ह्व उन्होंने कहा।
कांग्रेस नेताओं ने संकल्प लिया कि धरती आबा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा और उनके सपनों का झारखंड बनाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

लिफ्ट देने का बहाना बनाकर ऑटो में बिठाया, फिर किया किशोरी से दुष्कर्म

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो से हैरत अंग्रेज करने वाली एक घटना सामने आई है। जहां एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सेक्टर 12 थाना में आया है।इस बाबत बताया जा रहा है की किशोरी को एक टेंपो में बैठाकर उसे ले जाया गया, इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म हुआ। बताई जा रही है कि सेक्टर 12 थाना क्षेत्र के जयपाल नगर की रहने वाली दो किशोरी घर से बाहर दुकान के लिए निकली थी तभी दो युवक आए एवं दोनों किशोरियों को एक ऑटो में बैठाकर दुकान छोड़ देने की बात कहे, और इसी झांसी में दोनों किशोरी आकर टेंपो में बैठ गई।टेंपो ज्योही आगे बढ़ने लगा और जब गंतव्य स्थान से आगे बढ़ा तो दोनों किशोरियों ने विरोध किया तब दोनों युवकों ने मेडिकल दुकान जाने का बहाना बनाकर बोले की उधर से लौटने के क्रम में छोड़ देंगे। दोनों किशोरी युवकों के झांसे में आ गई, इसके बाद एक सुनसान जगह ले जाकर एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया तथा मौके पर मौजूद दूसरे युवक ने उसका गलत वीडियो बना लिया और ब्लैकमेलिंग करना शुरू किया। ब्लैकमेलिंग के भय से किशोरी ने आपबीती परिजनों को नहीं बताया लेकिन ब्लैकमेलिंग के कारण तबाह होकर जब दोनों किशोरी आत्महत्या करने के लिए घर से निकल गई, तब खोजबीन के बाद यह घटना सामने आई। वैसे यह घटना शनिवार की बताई जा रही है लेकिन किशोरी सामाजिक लोक लाज के भय के कारण मामले को परिजनों को जानकारी नहीं दी। जब पूरी जानकारी परिजनों को मिली तो परिजन अंततः दोनों किशोरियों को लेकर थाना आए एवं लिखित शिकायत दर्ज कराई।

साधु बनकर ठगी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार, सोने का जितिया बरामद

वरीय संवाददाता रफ्तार मिडिया हजारीबाग

हजारीबाग पुलिस ने साधु के भेष में लोगों को झांसा देकर ठगी करने वाले तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से ठगी किया गया सोने का जितिया व सोने जैसा दिखने वा सात छोटे, छोटे लौकेट बरामद किया है। यह कार्रवाई बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के हुरहुरु में हुई घटना के बाद त्वरित छापेमारी के दौरान की गई।

पुलिस के अनुसार, हुरहुरु निवासी गुड़िया देवी के पति ने सूचना दी कि साधु के वेश में आए तीन लोगों ने उनकी पत्नी को बहला-फुसलाकर सोने का जीतिया ठग लिया और फरार हो गए। सूचना मिलते ही बड़ा बाजार ओपी पुलिस ने वरीय अधिकारियों के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की।

पीड़िता द्वारा बताई गई दिशा में खोजबीन के दौरान क्षितिज अस्पताल के पास टोटो में सवार तीन संदिग्ध साधुओं को रोका गया। पूछताछ के दौरान उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर तलाशी ली गई। तलाशी में गुड़िया देवी से ठगा गया सोने का जीतिया तथा सात अन्य सोने जैसा दिखने वाला छोटे छोटे लॉकेट बरामद हुए। इसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहतास (बिहार) जिले के मलेट्री लाठौर, अखिलेश लाठौर और तितई लाठौर के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके खिलाफ सदर (बड़ा बाजार) थाना कांड संख्या 146/26 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

छापेमारी दल में बड़ा बाजार ओपी प्रभारी मुकेश कुमार रजक, मुफ्फसिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, पु.अ.नि. सुधीन कुमार तथा बड़ा बाजार ओपी एवं मुफ्फसिल थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि साधु, तांत्रिक या किसी अज्ञात व्यक्ति के झांसे में आकर अपने कीमती सामान न सौंपें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

सदर अस्पताल में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड व मॉडर्न लॉन्ड्री मशीन का उद्घाटनआमजनों को न्यूनतम दर पर मिलेगी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं: उपायुक्त

एमआरआई व सीटी स्कैन लगाने की है योजना

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबादः सदर अस्पताल में मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने फीता काटकर एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, डेंटल एक्स-रे व आधुनिक लॉन्ड्री मशीन का उद्घाटन किया।उद्घाटन के बाद उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री का सपना है कि राज्य के हर व्यक्ति को निःशुल्क या न्यूनतम दर पर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा मिले। इसी कड़ी में बंधन बैंक ने सीएसआर फंड से सदर अस्पताल को ये आधुनिक मशीनें प्रदान की हैं। अस्पताल में हर व्यवस्था सुदृढ़ हो जाने से एक ही छत के नीचे 24७७ लोगों का इलाज संभव हो सकेगा।उपायुक्त ने बताया कि सदर अस्पताल ने पिछले एक वर्ष में अप्रत्याशित उपलब्धि हासिल की है। यहां प्रतिदिन 600 से 700 मरीज ओपीडी में आते हैं। आधुनिक उपकरणों एवं चिकित्सकों की बेहतरीन टीम के कारण जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हो रहे हैं। आयुष्मान योजना का लाभ मिलने के कारण धनबाद के अलावा पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या में गरीब मरीज यहाँ पहुँच रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि सदर अस्पताल को जल्द ही एमआरआई, सीटी स्कैन, मॉड्यूलर आईसीयू, मॉड्यूलर किचन और एडवांस ओटी की सुविधाएं प्रदान की जाएगी। अस्पताल के विस्तारीकरण के लिए अतिरिक्त फ्लोर का निर्माण, विशाल कार व बाइक पार्किंग और आगंतुकों के बैठने के लिए शेड बनाए जा रहे हैं। यह वर्ष धनबाद की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए स्वर्णिम समय होगा।इस मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, बंधन बैंक के सहायक उपाध्यक्ष अनिमेष मिश्रा, डॉ मिहिर झा के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन, विभिन्न मामलों की हुई सुनवाई

समामा औसाल, धनबाद

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनी गईं। जनता दरबार में निरसा, भेलाटांड, टुंडी, तेतुलमारी, झरिया, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, पुटकी, तोपचांची, बलियापुर, राजगंज, बाघमारा एवं सिंदरी सहित विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों ने अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। जनता दरबार में मुआवजा भुगतान, नियोजन, धमकी देने, सड़क एवं नाली निर्माण, होमगार्ड बहाली, जमीन म्यूटेशन, प्रधानमंत्री आवास एवं अबुआ आवास योजना, विस्थापन, मारपीट, बकाया वेतन भुगतान, आवास पर जबरन कब्जा, जमीन विवाद, मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति तथा आवासीय प्रमाण पत्र, आर्म्स

आम्रलिका महोत्सव-2026 में किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं आम उत्पादकों को मिला बड़ा मंच

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो जिला परिषद कार्यालय परिसर में आयोजित आम्रलिका आम महोत्सव-2026 में जिले के जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, किसानों, स्वयं सहायता समूहों की दीदियों एवं आम उत्पादकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम उत्पादकों को विपणन का बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा जिले में बागवानी आधारित आजीविका को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि आम्रलिका आम महोत्सव स्वाद, सुगंध और संस्कृति का संगम है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता केवल उत्पादों की बिक्री से नहीं आंकी जाती, बल्कि इसमें भाग लेने वाले किसानों और आयोजन से जुड़े लोगों के चेहरे पर दिखने वाली खुशी और संतोष ही इसकी वास्तविक सफलता का पैमाना है। उपायुक्त ने कहा कि कोविड-19 के बाद राज्य सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री की प्रेरणा से बिरसा हरित ग्राम योजना को अभियान के रूप में आगे बढ़ाया गया। आज जिले में लगभग 4,500 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बागवानी विकसित की गई है तथा लगभग 5,500 किसान इससे जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि शुरूआत में लोगों की रुचि कम थी, लेकिन आज किसान एक-दूसरे को देखकर इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

उपायुक्त ने कहा कि भारत विश्व के कुल आम उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत उत्पादन करता है। झारखंड की प्राकृतिक हरियाली, संस्कृति और मिठास को आम के साथ जोड़कर ब्रांडिंग की जाए तो राज्य के आम को देशभर में नई पहचान मिल सकती है। उन्होंने लक्ष्य रखा कि आने वाले वर्षों में बोकारो के आम की मांग पूरे देश में हो और यहां के किसान सीधे बड़े बाजारों से जुड़ें।

उपायुक्त ने युवाओं से कृषि एवं बागवानी आधारित उद्योगों में संभावनाएं तलाशने की अपील की। उन्होंने कहा कि आम आधारित प्रसंस्करण इकाइयों, मूल्य संवर्धन तथा एग्रो-बेस्ड उद्योगों के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने डीएमएफटी एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से आम उत्पादों पर आधारित महिला समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।

झमाडा आश्रितों की अनुकंपा नियुक्ति का रास्ता साफ, तीन माह में बहाली का निर्देश झमाडा एमडी को सौंपी गई कोर्ट के आदेश की प्रति, चार वर्षों से जारी आंदोलन में मिली बड़ी कामयाबी

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद,:धनबाद

और झरिया क्षेत्र में कार्यरत झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकरण (झमाडा) के दिवंगत कर्मियों के परिवारों के लिए राहत की बड़ी खबर है। झारखंड हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए पिछले चार वर्षों से अनुकंपा नियुक्ति के लिए संघर्ष कर रहे आश्रितों के पक्ष में आदेश जारी किया है। कोर्ट ने झमाडा प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 39 आश्रितों की योग्यता के आधार पर अगले तीन महीने के भीतर उनकी बहाली प्रक्रिया पूरी की जाए। इस आदेश के बाद वर्षों से न्याय और रोजगार की आस लगाए बैठे परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है।180 आश्रित लंबे समय से कर रहे थे आंदोलनझमाडा में कार्यरत कर्मचारियों की असमय मृत्यु के बाद लगभग 180 आश्रित पिछले चार वर्षों से लगातार अनुकंपा के आधार पर नौकरी की मांग कर रहे थे। अपनी मांगों को लेकर आश्रितों ने झमाडा मुख्यालय के समक्ष कई बार धरना-प्रदर्शन और आंदोलन भी किया था। आश्रितों का आरोप है कि राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट निर्देश होने के बावजूद स्थानीय प्रबंधन द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा था। प्रशासनिक उदासीनता से तंग आकर आखिरकार आश्रितों ने न्याय के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।योग्यता के अनुसार मिलेगी नौकरी, एमडी को सौंपी आदेश की प्रतिमामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 39 आश्रितों के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट के रुख को देखते हुए आश्रितों के प्रतिनिधिमंडल ने झमाडा के प्रबंध निदेशक (एमडी) से मुलाकात की और उन्हें न्यायालय के आदेश की प्रति सौंपी। उन्होंने प्रबंधन से तय समय सीमा के भीतर बहाली प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया है। अब सभी की निगाहें झमाडा प्रबंधन पर टिकी हैं कि अदालती निदेर्शों का पालन कितनी तेजी से किया जाता है।आश्रितों ने क्या कहा:यह सिर्फ नौकरी नहीं, हमारे अस्तित्व की लड़ाई थीः मोहम्मद अजिरुद्दीन खान मामले पर खुशी जताते हुए आश्रित मोहम्मद अजिरुद्दीन खान ने कहा, "हम पिछले चार सालों से सड़कों पर संघर्ष कर रहे थे। हर दरवाजे पर गुहार लगाई, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। हाईकोर्ट के इस फैसले ने हमें नया जीवन दिया है। यह सिर्फ नौकरी का मामला नहीं है, बल्कि हमारे परिवारों के जीवनयापन और भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

चतरा में भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

चतराःमहान जननायक, आदिवासी समाज के गौरव एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस के अवसर पर आज समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में एक गरिमामयी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद और पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने भगवान बिरसा मुंडा के ऐतिहासिक संघर्षों को याद किया। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी। उनका जीवन सामाजिक न्याय, समानता और जनसेवा का एक अनुपम उदाहरण है, जो आज भी पूरे समाज को प्रेरित करता है।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में इस बात पर विशेष जोर दिया कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों का अनुसरण करना और समाज के सबसे पिछड़े एवं अंतिम व्यक्ति तक विकास व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, सिविल सर्जन डॉ. सतेंद्र कुमार सिन्हा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार और जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित सहित कई विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने और जिले के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।

चतरा में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के परीक्षा परिणामों की समीक्षा, डीसी ने दिए सुधार के कड़े निर्देश

चतराः समाहरणालय सभा कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (उट रङ्गए) और केजीबीवी विद्यालयों के मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 के परिणामों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा विद्यालयवार रिजल्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया।

?समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने केजीबीवी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, चतरा के परीक्षा परिणामों पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए विद्यालय प्रबंधन को सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स, सिमरिया के शैक्षणिक स्तर को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। उपायुक्त ने कहा कि इन विशेष विद्यालयों का उद्देश्य बच्चों को प्रतिस्पर्धी माहौल देना है, इसलिए लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने आगामी परीक्षा-2027 की तैयारी के लिए अभी से ठोस कार्ययोजना बनाने और कमजोर बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया।

?विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रखने के लिए डीसी ने निर्देश दिया कि जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। वहां अन्य विद्यालयों से योग्य शिक्षकों का अविलंब प्रतिनियोजन किया जाए। साथ ही नामित नोडल पदाधिकारी हर सप्ताह विद्यालयों की मॉनिटरिंग करेंगे। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार समेत कई अधिकारी उपस्थित थे।

सिंदूर चौक में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 475 लीटर से अधिक अवैध विदेशी शराब बरामद,

विशेष संवाददाता हजारीबाग

हजारीबाग। जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता मिली है। उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर सहायक आयुक्त उत्पाद के नेतृत्व में मंगलवार तड़के कोर्रा थाना क्षेत्र के सिंदूर चौक के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया।

जांच के दौरान एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी एर्टिगा को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन लेकर भागने लगा। उत्पाद विभाग की टीम ने पीछा किया, जिसके बाद चालक कटकमदाग थाना क्षेत्र के सालगांव हाई स्कूल के समीप वाहन छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए फरार हो गया।

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद हुई। टीम ने 55 कार्टन में रखी लंदन ब्रेवरेज निर्मित George William ब्रांड की 180 एमएल क्षमता वाली कुल 475.2 लीटर विदेशी शराब तथा Royal Green ब्रांड की 375 एमएल क्षमता की 6 बोतलें जब्त कीं।

महिला का पर्स छीनकर भाग रहे दो झपटमार गिरफ्तार, पुलिस ने खदेड़कर दबोचा सरायढेला पुलिस की तत्परता से बड़ी सफलता छीना गया पर्स, नकदी, मोबाइल और बाइक बरामद

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद,:

सरायढेला थाना पुलिस ने झपटमारी की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की पल्सर बाइक, लूटा गया लाल रंग का लेडीज पर्स, 4,500 रुपये नकद और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मंगलवार को डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर प्रकाश सोय ने प्रेसवार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया।घेराबंदी कर पकड़ाः डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि रविवार (8 जून) की शाम करीब 4:40 बजे सरायढेला थाना प्रभारी मंजीत कुमार को सूचना मिली कि बाइक सवार दो युवक एक महिला का पर्स छीनकर भाग रहे हैं। पीड़िता जोशना देवी (बगदाहा, राजगंज निवासी) अपने ससुराल से लौट रही थीं। सूचना मिलते ही गश्ती पदाधिकारी सब इंस्पेक्टर रजनीश कुमार के नेतृत्व में टीम ने अपराधियों का पीछा शुरू किया। बलियापुर रोड के पास पीड़िता ने आरोपियों को पहचाना।

रामगढ़ के विकास कार्यों पर उतरे और नगर परिषद एवं छावनी परिषद क्षेत्र के दर्जनों महत्वपूर्ण स्थलों का औचक निरीक्षण किया

(रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर)

सबसे पहले उपायुक्त ने छावनी फुटबॉल मैदान पहुंचकर प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा की। मैदान को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित करने की योजना पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इसके बाद बस स्टैंड के समीप खाली भूमि का निरीक्षण कर वहां टाउन हॉल अथवा सामुदायिक भवन निर्माण की संभावनाओं पर विचार किया गया। उपायुक्त ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा।

रामगढ़ कॉलेज गेट के समीप लंबे समय से बनी जलजमाव की समस्या पर उपायुक्त ने गंभीर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित विभाग को तत्काल ड्रेनेज सफाई कराने और 15 दिनों के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मुर्रामकला स्थित डंप यार्ड में निमार्णाधीन चहारदीवारी एवं अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने एप्रोच रोड निर्माण में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कचरा प्रबंधन व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बस स्टैंड रामगढ़ में निमार्णाधीन कैंटीन, यात्री विश्राम व्यवस्था और अन्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए उपायुक्त ने कार्य एजेंसी को निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। वहीं शहीद ब्रिगेडियर पुरी पार्क का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने को कहा। बिजुलिया तालाब के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष चर्चा हुई। साथ ही सुभाष चौक के समीप खाली भूमि पर पार्किंग सुविधा विकसित करने की संभावनाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मसमोहना स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट-1 के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने जेसीबी लगाकर ट्रेंच कटवाने का निर्देश दिया ताकि तकनीकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। थाना चौक स्थित सतकौड़ी कॉम्प्लेक्स के समीप तालाब का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने भूमि का सीमांकन कराने तथा संभावित अतिक्रमण की पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

जेपीएल सीजन से पहले छोटा नागपुर रॉयल्स का दमदार आगाज, नई जर्सी और टीम एंथम का भव्य अनावरण

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांचीः झारखंड प्रीमियर लीग (जेपीएल) के आगामी सत्र को लेकर छोटा नागपुर रॉयल्स ने अपनी तैयारियों को नया आयाम देते हुए टीम की नई जर्सी और आधिकारिक एंथम का भव्य अनावरण किया। कांके रोड स्थित रांची मैरियट होटल में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में टीम के पदाधिकारी, कोचिंग स्टाफ, खिलाड़ी तथा खेल जगत से जुड़े कई सम्मानित अतिथि मौजूद रहे.समारोह के दौरान टीम की नई जर्सी को औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया। टीम प्रबंधन के अनुसार जर्सी का डिजाइन आधुनिक सोच, टीम भावना और झारखंड की क्रिकेट संस्कृति को प्रतिबिंबित करता है। यह जर्सी खिलाड़ियों के आत्मविश्वास, ऊर्जा और क्षेत्रीय गौरव का प्रतीक होगी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण टीम के आधिकारिक एंथम का अनावरण भी रहा। एंथम में खिलाड़ियों के संघर्ष, जुनून, समर्पण और जीत की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसे इस उद्देश्य के साथ तैयार किया गया है कि टीम और उसके समर्थकों के बीच एक मजबूत भावनात्मक संबंध स्थापित हो सके तथा मैदान के बाहर भी टीम की पहचान को मजबूती मिले।

इस अवसर पर टीम प्रबंधन ने कहा कि छोटा नागपुर रॉयल्स का लक्ष्य केवल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करना नहीं है, बल्कि झारखंड की स्थानीय क्रिकेट प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना भी है। जर्सी और एंथम का लॉन्च इसी व्यापक सोच और विजन का हिस्सा है।

कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों का परिचय भी कराया गया और आगामी सीजन को लेकर टीम की रणनीति तथा तैयारियों पर चर्चा की गई। टीम प्रबंधन ने सभी समर्थकों, खेल प्रेमियों और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी जेपीएल सत्र में निरंतर सहयोग और समर्थन की अपील की। नई पहचान, नई ऊर्जा और मजबूत आत्मविश्वास के साथ छोटा नागपुर रॉयल्स आगामी झारखंड प्रीमियर लीग में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। टीम को उम्मीद है कि इस सीजन में वह मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह अपनी अलग छाप छोड़ने में सफल होगी।

हादसे को न्योता: धनबाद में एक्सपायरी फायर सिलेंडरों के भरोसे 'सुरक्षा'! मॉल से लेकर सरकारी दफ्तरों तक राम भरोसे व्यवस्था

खोजी पड़ताल: सिटी सेंटर में दो साल तो मिश्रित भवन में 5 साल पहले खत्म हो चुकी है फायर एक्सटिंग्विशर की वैलिडिटी; आग लगी तो कौन होगा जिम्मेदार?

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता,

धनबाद: आग न तो इंसान का रसूख पहचानती है और न ही किसी की हैसियत। एक बार बेकाबू हुई तो पल भर में सब कुछ स्वाहा कर देती है। देश के विभिन्न हिस्सों में हुए हालिया अग्निकांडों से भी कोयलांचल के जिम्मेदार महकमों और निजी संचालकों ने कोई सबक नहीं लिया है। धनबाद के सबसे व्यस्त व्यावसायिक परिसरों, मॉल और खुद सरकारी दफ्तरों में अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी) व्यवस्था पूरी तरह से दिखावा साबित हो रही है। हमारी ग्राउंड रिपोर्टिंग में यह चौंकाने वाला सच सामने आया है कि जिन उपकरणों के भरोसे हजारों लोगों की जान सुरक्षित मानी जा रही है, वे खुद 'एक्सपायरी डेट' के हो चुके हैं और कबाड़ में तब्दील होने की कगार पर हैं।शहर का दिल 'सिटी सेंटर': कबाड़ हो चुके सिलेंडरों से बुझेगी आग?

यह शहर का बेहद व्यस्त और भीड़भाड़ वाला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स 'सिटी सेंटर' है। इसके भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर बड़े मॉल, रेस्टोरेंट और सैकड़ों दुकानें हैं, जबकि ऊपरी तलों पर रिहायशी फ्लैट, दर्जनों नामी कोचिंग संस्थान और चिकित्सा केंद्र संचालित होते हैं। यहां रोजाना हजारों की संख्या में छात्र, अभिभावक, मरीज और ग्राहक पहुंचते हैं।

इस बहुमंजिला इमारत में जब हमारी टीम ने आग से बचाव के लिए टांगे गए फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमन सिलेंडरों) की पड़ताल की, तो रोंगटे खड़े कर देने वाली हकीकत सामने आई। यहां लगे कई सिलेंडरों की रिफिलिंग की अंतिम तारीख दो से ढाई साल पहले ही समाप्त हो चुकी है। कई उपकरणों पर तो जंग लग चुका है और लंबे समय से उनकी सर्विसिंग तक नहीं हुई है। परिसर में पढ़ने वाले छात्र रितेश कुमार ने बताया कि वे रोज यहां आते हैं, लेकिन कभी किसी ने सुरक्षा उपकरणों की जांच होते नहीं देखी। यदि किसी रेस्टोरेंट के किचन या दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग जाए, तो इन एक्सपायरी सिलेंडरों के भरोसे किसी की जान नहीं बचाई जा सकती।

मिश्रित भवन का हाल: पांच साल से सर्विसिंग की बाट जोह रहे उपकरण

लापरवाही का यह खेल सिर्फ निजी व्यावसायिक भवनों तक सीमित नहीं है। सरकारी तंत्र की नाक के नीचे स्थित धनबाद का 'मिश्रित भवन', जहां खुद उपायुक्त (डीसी) कार्यालय समेत बिजली विभाग, खनन विभाग, शिक्षा विभाग और कई महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर संचालित होते हैं, वहां के हालात और भी भयावह हैं। मिश्रित भवन के गलियारों में टांगे गए फायर एक्सटिंग्विशर चीख-चीखकर प्रशासनिक उदासीनता की कहानी बयां कर रहे हैं। जांच में सामने आया कि इन सरकारी दफ्तरों के सिलेंडरों की आखिरी रिफिलिंग साल 2021 में हुई थी। इसके बाद दोबारा इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं रहा। यानी पांच वर्षों से यहां सिर्फ कागजों पर सुरक्षा चल रही है। एक साल से अधिक पुराना सिलेंडर बन जाता है निष्क्रिय: लक्ष्मण प्रसाद अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, फायर एक्सटिंग्विशर की नियमित जांच और प्रतिवर्ष रिफिलिंग अनिवार्य है। धनबाद अग्निशमन विभाग के प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद ने इस गंभीर लापरवाही पर चिंता जताते हुए कहा: फायर एक्सटिंग्विशर की नियमित जांच और समय-समय पर रिफिलिंग बेहद जरूरी होती है। नियमानुसार एक वर्ष से अधिक समय तक सर्विसिंग नहीं होने पर इन उपकरणों के अंदर का प्रेशर और केमिकल निष्क्रिय हो जाता है। ऐसी स्थिति में आपातकाल के दौरान ये उपकरण काम नहीं करते और एक छोटी सी चिंगारी भी विकराल हादसे का रूप ले लेती है।"आखिर कौन कर रहा है फायर सेफ्टी ऑडिट?

बड़ा सवाल यह है कि जिले में फायर सेफ्टी ऑडिट की जिम्मेदारी निभाने वाले विभाग आंखें मूंदे क्यों बैठे हैं? क्या जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़े हादसे के इंतजार में हैं? मॉल और सरकारी भवनों में रखे ये एक्सपायरी उपकरण यह साफ बताते हैं कि जनता की सुरक्षा को लेकर तंत्र कितना लापरवाह है।

भगवान बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि: उपायुक्त और अन्य अधिकारियों ने बैंक मोड़ पर अर्पित की श्रद्धांजलि

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद। भगवान बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बैंक मोड़ स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे सहित अन्य पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए।श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा देश की संस्कृति के संरक्षक थे। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित किया और उनके कर्म और धर्म को समझाया, साथ ही ज्ञान का उजियारा भी फैलाया। उन्होंने पारंपरिक भूमि अधिकारों, सांस्कृतिक और धार्मिक आस्थाओं के संरक्षण के लिए अंग्रेजी शासन के खिलाफ अदम्य संघर्ष किया था।इस मौके पर शहीद बिरसा मुंडा स्मारक स्मृति संचालन समिति के संयोजक महादेव हांसदा, नारायण महतो, अवध पासवान, किशोर मुर्मू, राम बाबू कुमार, जितेंद्र कुमार पासवान, रति उरांव, सुनिल कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

उमस भरी गर्मी में राहत की घूंट: चित्तरंजन मंडल ने बांटी ठंडी लस्सी, जनसेवा की मिसाल

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

भीषण गर्मी के बीच चित्तरंजन वासियों को राहत देने के लिए भाजपा चित्तरंजन मंडल की ओर से मंगलवार को अमलदाही मार्केट बस स्टैंड के समीप निःशुल्क लस्सी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा एवं जनसंपर्क की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में चित्तरंजन मंडल के पूर्व अध्यक्ष शंकर तिवारी, प्रियत कुमार, अर्जुन महतो, प्रभाकर झा, श्रीकांत शर्मा सहित मंडल के कई कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों को ठंडी लस्सी वितरित की। गर्मी से बेहाल लोगों के चेहरे पर लस्सी पीकर मुस्कान लौट आई। लस्सी वितरण का कार्यक्रम पूरी तरह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। स्थानीय नागरिकों ने चित्तरंजन मंडल की इस पहल को जनसेवा का बेहतरीन उदाहरण बताया। लोगों का कहना था कि इस तरह के आयोजन समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में चित्तरंजन मंडल के पूर्व अध्यक्ष शंकर तिवारी ने सभी सहयोगियों, कार्यकताओं एवं चित्तरंजन वासियों का ह्रदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से ही यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। मंडल भविष्य में भी ऐसे जनहित के कार्यक्रम जारी रखेगा।

डीआईटी धनबाद में एनसीसी कैडेट्स को दिया गया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

संवाददाता समामा औसाल,
धनबाद : 5 झारखंड बटालियन एनसीसी, धनबाद द्वारा आयोजित 'कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप' (उअळउ - श्क्क) में आज कैडेट्स को भावी नेतृत्व और संकट प्रबंधन के लिए तैयार करने के उद्देश्य से एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर धनबाद स्थित डीआईटी (उक्ळ) परिसर में 05 जून से 14 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि और विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आपदा प्रबंधन अधिकारी संजय कुमार झा उपस्थित हुए। उन्होंने शिविर में भाग ले रहे एनसीसी कैडेट्स को आपदाओं के समय त्वरित कार्रवाई, राहत-बचाव कार्य और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के व्यावहारिक गुर सिखाए।

कैंप कमांडेंट (एनीमेश झा) ने संजय कुमार झा को उनके अमूल्य योगदान, समर्पित सेवा और उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए 'प्रशंसा पत्र' देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कैंप कमांडेंट ने कहा, "एनसीसी कैडेट्स को देश का भविष्य और आगामी लीडर्स माना जाता है। आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर संजय कुमार झा द्वारा दिया गया प्रशिक्षण कैडेट्स के कौशल विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उनका यह निःस्वार्थ सहयोग और मार्गदर्शन अत्यंत सराहनीय है।"

इस प्रशिक्षण सत्र में बटालियन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों सहित सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे, जिन्होंने आपदा प्रबंधन की बारीकियों को बेहद उत्साह के साथ सीखा।

मुआवजे के साथ खुला रास्ता, 18 घंटे बाद खत्म हुआ बिरहोर समुदाय का आंदोलन

रफ्तार मीडिया
बालूमाथ
बालूमाथ बालूमाथ।

झाबर ग्राम स्थित बिरहोर टोला के समीप सड़क दुर्घटना में आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के बुजुर्ग इंद्रदेव बिरहोर की मौत के बाद शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन मंगलवार को करीब 18 घंटे बाद समाप्त हो गया। प्रशासन, कंपनी प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच हुई लंबी वार्ता के बाद कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति बनी, जिसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम हटाकर आंदोलन समाप्त कर दिया।हादसे के बाद बिरहोर समुदाय और ग्रामीणों ने मुआवजा, रोजगार एवं क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया था। आंदोलन के कारण मुख्य मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।वार्ता में मां अंबे माइनिंग कंपनी ने मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये मुआवजा देने, मृतक की पत्नी को 3 हजार रुपये प्रतिमाह सहायता राशि उपलब्ध कराने तथा उनके पुत्र को कंपनी में निजी नौकरी देने की घोषणा की। साथ ही सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क किनारे 50 स्ट्रीट लाइट लगाने और पांकी मोड़ से झाबर एवं इचाक तक 10 स्थानीय युवकों को गार्ड के रूप में रोजगार देने पर भी सहमति बनी।ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में लगातार भारी वाहनों का परिचालन होता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसलिए केवल मुआवजा ही नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा उपाय भी आवश्यक हैं।गौरतलब है कि सोमवार रात लगभग 9:15 बजे सड़क पार करने के दौरान 65 वर्षीय इंद्रदेव बिरहोर को एक तेज रफ्तार हाईवा ने अपनी चपेट में ले लिया था। गंभीर रूप से घायल इंद्रदेव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बालूमाथ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया था।करीब 18 घंटे तक चले इस आंदोलन के बाद समझौता होने पर आवागमन सामान्य हुआ और प्रशासन ने क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील की। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तय बिंदुओं

गांडेय में आम उत्सव व बागवानी मेला का आयोजन, किसानों की प्रतिभा देख गदगद हुए अधिकारी

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल।

गांडेय प्रखंड परिसर में मंगलवार को आम उत्सव एवं बागवानी मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से प्रखंड प्रमुख राजकुमार पाठक, बीडीओ निसात अंजुम और सांसद प्रतिनिधि रघुनाथ यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया।

किसानों ने प्रदर्शित किए आमों के विभिन्न प्रकार

मेले में क्षेत्र के दर्जनों प्रगतिशील किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। किसानों ने अपनी बागवानी से तैयार आम की विभिन्न उन्नत किस्मों को प्रदर्शनी के लिए स्टॉल पर सजाया था। आमों की गुणवत्ता, आकार और रंग देखकर वहां मौजूद अधिकारी व स्थानीय लोग प्रभावित हुए।

बागवानी को मिलेगा बढ़ावा

इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख राजकुमार पाठक ने कहा कि गांडेय क्षेत्र में बागवानी की अपार संभावनाएं हैं। इस प्रकार के आयोजन से किसानों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें नई तकनीक सीखने का अवसर मिलता है। बीडीओ निसात अंजुम ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बागवानी करने वाले किसानों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

?सांसद प्रतिनिधि रघुनाथ यादव ने कहा कि किसानों की मेहनत का ही नतीजा है कि आज स्थानीय स्तर पर इतने उत्कृष्ट किस्म के आम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने किसानों को जैविक खेती और आधुनिक बागवानी तकनीक अपनाने का सुझाव दिया।

?कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट बागवानी करने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया गया और उन्हें बागवानी के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

इस मौके पर अंचल अधिकारी मो.हुसैन, मुखिया अकबर अंसारी, अन्थोनी स्वामी, भैरो वर्मा,राजु कुमार मंडल,प्रखंड के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

धनबाद में होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया रिकॉर्ड समय में पूरी, औपबंधिक मेधा सूची जारी

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद: झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, धनबाद के तत्वावधान में संचालित गृह रक्षकों की नव-नामांकन प्रक्रिया रिकॉर्ड समय में पूरी कर ली गई है। पूरी बहाली को निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराया गया है।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार धनबाद जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के योग्य महिला व पुरुष अभ्यर्थियों की औपबंधिक मेधा सूची जिला की आधिकारिक वेबसाइट: https://cdn.s3waas.gov.in/s337f0e884fbad9667e38940169d0a3c95/uploads/17809410199791.pdf पर सार्वजनिक कर दी गई है। अभ्यर्थी इस पोर्टल पर जाकर सूची देख सकते हैं।इस बार की संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया तकनीकी सुगमता और कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के कारण विशेष चर्चा में रही। शारीरिक जांच परीक्षा तथा हिन्दी लेखन क्षमता परीक्षा में हजारों अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा और निष्पक्षता के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कदाचार या अनियमितता की एक भी घटना सामने नहीं आई।शारीरिक एवं लिखित परीक्षा में सफल तकनीकी रूप से दक्ष अभ्यर्थियों के लिए विशेषज्ञों की टीम द्वारा 'तकनीकी दक्षता जाँच परीक्षा' आयोजित की गई थी। पूर्व में प्रकाशित सूची की गहन समीक्षा और संशोधन के बाद, सभी अनिवार्य योग्यताओं को पूरा करने वाले ग्रामीण (प्रखण्डवार) एवं शहरी (तकनीकी/गैर तकनीकी) अभ्यर्थियों की अंतिम संशोधित औपबंधिक मेधा सूची पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है।उपायुक्त आदित्य रंजन ने इस सफल, त्वरित और स्वच्छ बहाली प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों, पुलिस बल और अभ्यर्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।आवश्यक सूचना एवं चेतावनी:यह पूर्णतः एक औपबंधिक चयन सूची है। यदि किसी भी स्तर पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों में कोई कमी पाई जाती है, या चरित्र सत्यापन एवं चिकित्सीय जाँच में अभ्यर्थी अयोग्य मिलते हैं, तो उनकी उम्मीदवारी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जाएगी।

छोटे कदम, बड़ा बदलाव: पीएम श्री केवी चित्तरंजन में मिशन लाइफ के तहत साइकिल रैली, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय चित्तरंजन में इको क्लब और मिशन लाइफ के तत्वावधान में मंगलवार को सुबह 7 बजे साइकिल रैली का सफल आयोजन किया गया। रैली में विद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या टेक धारनी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्या ने कहा कि साइकिल चलाना न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन व्यायाम है, बल्कि यह कार्बन उत्सर्जन को कम करके पर्यावरण बचाने में भी बड़ा योगदान देता है। उन्होंने सभी से अपनी रोजमर्रा की आदतों में छोटे बदलाव लाकर मिशन लाइफ के उद्देश्यों को पूरा करने का आह्वान किया। प्राचार्या टेक धारनी ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों से अपील की कि छोटी दूरियों के लिए ईंधन चालित वाहनों के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव लाए तो पर्यावरण संरक्षण का बड़ा लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने पर्यावरण बचाने के नारे भी लगाए। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रशासन ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया। रैली में अनुशासित और ऊर्जावान भागीदारी के लिए विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों की सराहना की गई। साथ ही निरंतर सहयोग देने के लिए अन्य सभी हितधारकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। यह रैली स्थानीय नागरिकों को पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाने का प्रभावी संदेश देने में पूरी तरह सफल रही।

बंगारो हत्याकांड में तीसरा आरोपी महिला गिरफ्तार

गिरिडीह/रेम्बा रप्तार संवादाता पवन कुमार राम

गिरिडीह जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बंगारो गांव में चर्चित जमीन विवाद और हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीसरे महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बीरेंद्र यादव की पत्नी फूलमती देवी के रूप में हुई है। जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज को भेज दिया गया है। बताया जाता है कि 22 मई 2026 को बंगारो गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक मारपीट हुई थी। घटना में गंभीर रूप से घायल इंद्रदेव यादव की इलाज के दौरान 25 मई को रांची रिम्स में मौत हो गई थी। मामले को लेकर मृतक की पत्नी नीतू देवी के फर्दबयान पर हीरोडीह थाना में बीएनएस की विभिन्न धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के तहत कुल 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसमें पूर्व में भोला यादव एवं उनकी पत्नी रेणु देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

स्वर्गीय अनिल चौरसिया की 14वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिथिलेश यादव पलामू/मेदिनीनगर

डाल्टनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री आलोक कुमार चौरसिया जी के शाहपुर स्थित कार्यालय में उनके पूज्य पिताजी स्वर्गीय अनिल चौरसिया जी की 14वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।बैठक का शुभारंभ स्व.अनिल चौरसिया जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया गया।उपस्थित सभी लोगों ने उनके व्यक्तित्व, सामाजिक योगदान तथा जनसेवा के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारीगण एवं समर्पित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।जिसमें सभी ने मिलकर आयोजन की तैयारी की रूपरेखा पर चर्चा की ओर श्रद्धांजलि सभा को भावपूर्ण सुव्यवस्थित बनाने हेतु अपने अपने सुझाव साझा किया।बैठक को संबोधित करते हुए विधायक श्री आलोक कुमार चौरसिया ने कहा कि स्वर्गीय अनिल चौरसिया जी का जीवन समाज सेवा, जनकल्याणकारी एवं मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। उनके आदर्श एवं विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि 16 जून को आयोजित होने वाली 14वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।उन्होंने डाल्टनगंज, चैनपुर एवं भंडारिया विधानसभा क्षेत्र के कार्यकताओं, समर्थकों एवं आमजन से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्व. अनिल चौरसिया जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया। विधायक श्री चौरसिया ने कहा कि यह आयोजन केवल एक श्रद्धांजलि सभा नहीं, बल्कि स्व. अनिल चौरसिया जी के आदर्शों, विचारों और जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प भी है।बैठक के दौरान 16 जून को होने वाले श्रद्धांजलि सभा तैयारियां की रूपरेखा, अतिथियों के स्वागत, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अपने-अपने सुझाव साझा किए तथा कार्यक्रम को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

एक साथ दो आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन मुखिया चंचला देवी ने फीता काटकर किया

संवाददाता कुमारधुबी : निरसा प्रखंड के शिवलीबाड़ी दक्षिण पंचायत से एक अच्छी और सकारात्मक खबर सामने आई है। पंचायत क्षेत्र के गाड़ीखाना और बाउरी टोला में एक साथ दो नए आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया गया। नए भवनों के निर्माण से अब बच्चों को सुरक्षित माहौल में शिक्षा और पोषण की सुविधाएं मिल सकेंगी। शिवलीबाड़ी दक्षिण पंचायत की मुखिया चंचला देवी ने मंगलवार सुबह गाड़ीखाना और बाउरी टोला में नव-निर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का फीता काटकर और नारियल फोड़कर विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों के बीच लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया गया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मुखिया चंचला देवी ने बताया कि दोनों आंगनबाड़ी केंद्र लंबे समय से जर्जर भवनों में संचालित हो रहे थे। भवनों की खराब स्थिति के कारण बच्चों और सेविकाओं की सुरक्षा हमेशा चिंता का विषय बनी रहती थी। ग्रामीणों की लगातार मांग और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नए भवनों का निर्माण कराया गया है।

"गाड़ीखाना और बाउरी टोला के आंगनबाड़ी केंद्र काफी पुराने और जर्जर भवनों में चल रहे थे। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए नए भवन का निर्माण कराया गया है, ताकि उन्हें बेहतर वातावरण में शिक्षा और पोषण की सुविधाएं मिल सकें।

नए भवनों के शुरू होने से अब बच्चों को सुरक्षित और सुविधायुक्त माहौल में प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। ग्रामीणों का कहना है कि इससे न सिर्फ बच्चों के विकास को नई दिशा मिलेगी बल्कि आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्र के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गाड़ीखाना और बाउरी टोला में नए आंगनबाड़ी केंद्रों के उद्घाटन से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। उम्मीद की जा रही है कि इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को नई गति मिलेगी।

बुंडू में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, अधिकारियों ने उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

रफ़्तार मिडिया बुंडू संवाददाता

बुंडू: धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मंगलवार को बुंडू प्रखंड कार्यालय परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बुंडू एसडीओ मोहन लाल मरांडी, डीएसपी ओमप्रकाश, सीओ हंस हेम्ब्रम सहित प्रखंड और अनुमंडल प्रशासन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीओ मोहन लाल मरांडी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने समाज को आत्मसम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष का रास्ता दिखाया था। उनके विचार और आदर्श आज भी समाज को दिशा देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भगवान बिरसा के जीवन और संघर्ष से अवगत कराना तथा उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके आदर्शों को अपनाकर ही विकसित झारखंड और विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सकता है।डीएसपी ओमप्रकाश ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, त्याग और जनसेवा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने अपने समाज और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए जो लड़ाई लड़ी, वह इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा के विचार और उनके संघर्ष आज भी लोगों को समाजहित में कार्य करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं। सभी को उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का

संपादकीय

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और संकल्प के नाम

नरेन्द्र मोदी सरकार के बारह वर्षों का यह कालखंड सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को समर्पित रहा है।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में वर्ष 2014 से प्रारम्भ हुई यात्रा ने देश के विकास को नई दिशा देने का प्रयास किया है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा।

इन वर्षों में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए। आधुनिक एक्सप्रेस-वे, वंदे भारत ट्रेनें, नए हवाई अड्डे, डिजिटल कनेक्टिविटी और ग्रामीण सड़कों के विस्तार ने विकास की गति को तेज किया। भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

डिजिटल क्रांति के माध्यम से शासन को अधिक पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने का प्रयास किया गया। जन धन खाते, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT), UPI भुगतान प्रणाली और विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं ने करोड़ों नागरिकों के जीवन को सरल बनाया है।

सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में गरीबों के लिए आवास, शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने जीवन स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों के हितों और युवाओं के रोजगार एवं कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है। आज भारत विश्व मंच पर एक प्रभावशाली और निर्णायक राष्ट्र के रूप में देखा जाता है। अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और वैश्विक मुद्दों पर भारत की भूमिका पहले की अपेक्षा अधिक सशक्त हुई है।

वर्ष 2026 तक की यह 12 वर्षीय यात्रा केवल सरकार के कार्यकाल का विवरण नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है। चुनौतियाँ अभी भी हैं, लेकिन उपलब्धियों और प्रयासों के आधार पर भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

मध्य पूर्व संकट और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है।

वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है।

बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है।

डिजिटल बगावत की दस्तक, क्या सियासत की कसौटी पर टिकेगी?

अजय कुमार

दिल्ली का कॉन्स्टिट्यूशन क्लब अमूमन गंभीर राजनीतिक बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और रवायती नेताओं की सफेद पोशाकों का गवाह बनता रहा है। लेकिन बीते बुधवार को वहां जो कुछ हुआ, उसने भारतीय राजनीति के एक नए और अतरंगे अध्याय की आहट दे दी। तीन पढ़े-लिखे नौजवान मंच पर बैठते हैं और देश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग बुलंद करते हैं। यह मांग किसी स्थापित विपक्षी दल की तरफ से नहीं, बल्कि एक ऐसे संगठन की ओर से आती है जिसका नाम ह्यकॉकरोच जनता पार्टीह्ल है। जो कल तक सोशल मीडिया के टाइमलाइन पर महज एक व्यंग्य, डिजिटल मजाक और कड़वे मीम्स का जरिया था, वह अब देश की राजधानी की सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रहा है। नीट-यूजी और सीबीएसई जैसी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने देश के युवाओं के भीतर जिस कदर हताशा और आक्रोश भरा है, यह आंदोलन उसी की एक उपज है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ डिजिटल स्पेस में वायरल होकर या तंज कसकर देश की जमीनी सियासत को बदला जा सकता है? क्या यह भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की वास्तविक छटपटाहट है या फिर सोशल मीडिया की चमक-दमक के बीच उपजा एक और अल्पकालिक तमाशा?

इस आंदोलन की रीढ़ कहे जाने वाले तीन चेहरे सौरव दास, विजेता दहिया और आशुतोष रांका अपने आप में दिलचस्प पृष्ठभूमि रखते हैं। इनमें कोई स्थापित और मझा हुआ राजनेता नहीं है। एक सजग पत्रकार और सोशल एक्टिविस्ट हैं जो आरटीआई के जरिए सरकारी तंत्र की खामियों को उजागर करते रहे हैं, तो दूसरा ध्रुव राठी जैसे बड़े मंचों के लिए गहरे शोध और स्क्रिप्ट लेखन से जुड़ा रहा है। तीसरे चेहरे को देखें तो वे आईआईटी कानपुर और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसी वैश्विक संस्थाओं से पढ़कर लौटे पब्लिक पॉलिसी विशेषज्ञ हैं। ये वो युवा हैं जो अंग्रेजी बोलते हैं, इंटरनेट की बारीकियों को समझते हैं और जिनके पास अपनी बात को आधुनिक तरीके से रखने का सलीका है। आगामी 6 जून को जब इस पार्टी के संस्थापक अमेरिका से दिल्ली लौटेंगे और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी जाएगी, तब इस डिजिटल गुस्से की पहली असली परीक्षा जमीन पर होगी। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से देश के करोड़ों छात्रों और उनके अभिभावकों के भविष्य से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विषय है। इस मुद्दे पर युवाओं की नाराजगी शत-प्रतिशत जायज है, लेकिन इस नाराजगी को अभिव्यक्त करने के लिए ह्यकॉकरोचह्ल जैसे प्रतीक और विशुद्ध व्यंग्य का सहारा लेना इस आंदोलन की गंभीरता पर ही सवाल खड़े कर देता है।

इतिहास गवाह है कि महज आक्रोश और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम से कभी भी स्थायी तब्दीली नहीं आती। डिजिटल दुनिया में किसी पोस्ट का ट्रेंड कर जाना या लाखों लाइक्स मिल जाना क्रांति का पैमाना नहीं हो सकता। कॉकरोच पार्टी ने युवाओं के भीतर पनप रहे असली दर्द और बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई को बेबाकी से सामने तो रखा है, लेकिन जब बात ठोस और व्यावहारिक एजेंडे की आती है, तो यह संगठन बगलें झांकता नजर आता है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को सिर्फ चुटकुलों, मीम्स और परफॉर्मेंस के सहारे नहीं चलाया जा सकता। एक वक्त के बाद जनता और वक्त दोनों ही मुश्किल सवाल पूछते हैं। नौकरियां कैसे पैदा होंगी? देश की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को सुधारने की क्या योजना है? टैक्स ढांचा, पुलिस सुधार या विदेश नीति पर संगठन की क्या सोच है? इन बुनियादी और जटिल नीतिगत सवालों पर कॉकरोच पार्टी के पास फिलहाल कोई ठोस जवाब नहीं है। राजनीति में इस तरह की अस्पष्टता का एक फायदा जरूर होता है कि विचारधारा के स्तर पर मतभेद नहीं होते और हर तरह का असंतुष्ट तबका आपके साथ जुड़ा रहता है, लेकिन जैसे ही आप किसी एक गंभीर मुद्दे पर ठोस स्टैंड लेते हैं, आंतरिक अंतर्विरोध और मतभेद सतह पर आने लगते हैं।

इस पूरे नैरेटिव का एक खतरनाक पहलू यह भी है कि यह आंदोलन युवाओं को लगातार नकारात्मकता और व्यवस्था के प्रति घोर निराशा की ओर धकेल सकता है। सत्ता की आलोचना करना और उससे तीखे सवाल पूछना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र को ऐसे नागरिकों की भी जरूरत होती है जो यह विश्वास रखें कि मौजूदा तंत्र में सुधार मुमकिन है। जब अदालतें, मीडिया, चुनाव और विश्वविद्यालय जैसी हर संवैधानिक और सामाजिक संस्था सिर्फ उपहास और मजाक का विषय बनकर रह जाएगी, तो आम जनता उन्हें सुधारने की उम्मीद और कोशिश ही छोड़ देगी। यह किसी व्यवस्था के खिलाफ बगावत नहीं, बल्कि उसके सामने आत्मसमर्पण या हार मान लेने जैसी स्थिति है। इसके अलावा, आंदोलन का यह दावा भी पूरी तरह सच नहीं लगता कि यह संघर्ष कर रहे देश के हर आम युवा की आवाज है। जरा इसके अगुआ चेहरों और इसके प्रसार के दायरे को देखिए। यह मुख्य रूप से अंग्रेजी बोलने वाले, बड़े शहरों में रहने वाले और चौबीसों घंटे ऑनलाइन रहने वाले युवाओं का एक खास क्लब नजर आता है। भारत के सुदूर गांवों में रहने वाले युवा, खेतों में पसीना बहाने वाले किसान पुत्र, प्रवासी मजदूर और वे करोड़ों नौजवान जिनके पास स्मार्टफोन या हाई-स्पीड इंटरनेट तक नहीं है, वे इस पूरी तस्वीर से पूरी तरह गायब हैं। इंटरनेट पर लोकप्रियता बटोरना और देश की धूल भरी सड़कों पर उतरकर जनसमर्थन हासिल करना, दोनों दो बिल्कुल अलग छोर हैं।

दूसरी बड़ी व्यावहारिक समस्या यह है कि यह पूरा आंदोलन लगभग एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द सिमटा हुआ शो दिखाई देता है। जब कोई आंदोलन या संगठन किसी एक चेहरे के करिश्मे पर टिक जाता है, तो उस व्यक्ति के पैर डगमगाते ही पूरा ढांचा ताश के पत्तों की तरह बिखर जाता है। भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल का उदाहरण हमारे सामने है, जो एक बड़े जनआंदोलन से उपजे थे, लेकिन बाद में सत्ता के रवायती ढर्रे में ही समा गए। किसी भी वास्तविक राजनीतिक संगठन को चलाने के लिए एक मजबूत संगठनात्मक ढांचा, प्रशिक्षित कैडर और एक स्पष्ट विचारधारा की आवश्यकता होती है। सोशल मीडिया का मौजूदा मॉडल ही इस तरह तैयार किया गया है जो केवल नाराजगी, उत्तेजना और सनसनी को बढ़ावा देता है। अगर किसी आंदोलन के पास साफ सिद्धांत और अनुशासन की सीमाएं न हों, तो ऐसे मंच बहुत जल्दी अराजक तत्वों और अफवाह फैलाने वालों के आसान निशाने बन जाते हैं।

एक असहज करने वाली सच्चाई यह भी है कि मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठानों को अक्सर इस तरह का मीम-आधारित विपक्ष रास आता है। वायरल पोस्ट और मजेदार तंज वाली यह डिजिटल बगावत उस वास्तविक युवा ऊर्जा को बिखेर देती है, जो अन्यथा एक गंभीर चुनावी या राजनीतिक चुनौती में बदल सकती थी। किसी भी मजबूत सरकार के लिए सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाया जाना उतना बड़ा खतरा नहीं होता, जितना बड़ा डर एक संगठित, अनुशासित और जमीनी स्तर पर काम करने वाले विपक्ष से होता है। यहाँ तक कि पार्टी का चुनाव-चिह्न ह्यकॉकरोचह्ल भी एक दोधारी तलवार की तरह है। भले ही यह जीव हर विपरीत परिस्थिति में जिंदा रहने की क्षमता रखता हो, लेकिन आम जनमानस में उसकी पहचान गंदगी, संक्रमण और घृणा से ही जुड़ी होती है। जब कोई प्रतीक जनता के बीच जाता है, तो वह अपने मूल अर्थ से इतर एक अलग ही छवि बना लेता है।

लब्बोलुआब यह है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स और वास्तविक राजनीतिक ताकत दो अलग-अलग चीजें हैं। वर्चुअल दुनिया किसी भी आंदोलन को कृत्रिम रूप से बहुत विशाल और प्रभावी दिखा सकती है, लेकिन यह ऑनलाइन लोकप्रियता उतनी ही तेजी से गायब भी हो जाती है, जितनी तेजी से स्क्रीन पर स्क्रॉल होती है। जैसे ही कोई नया वायरल मुद्दा आता है, लोग पुरानी बहसों को भूल जाते हैं। वास्तविक और स्थायी बदलाव के लिए धैर्य, वर्षों की कड़ी मेहनत और संगठन खड़ा करने का वह उबाऊ काम करना पड़ता है, जो इंटरनेट के इस दौर में सबसे ज्यादा मुश्किल है। भारत का युवा बेरोजगारी, महंगाई और एक संवेदनहीन व्यवस्था से सचमुच परेशान है और उसका गुस्सा शत-प्रतिशत वास्तविक है। इस गुस्से को चर्चा के केंद्र में लाने का श्रेय इस डिजिटल मुहिम को दिया जा सकता है, लेकिन किसी समस्या को रेखांकित करना और उसका व्यावहारिक समाधान निकालना, दो अलग बातें हैं। जब तक यह मजाक, तंज और मीम्स एक ठोस नीतिगत योजना में नहीं बदलते, तब तक यह कवायद भी इतिहास की उन कई इंटरनेट सनसनियों की तरह ही दर्ज होगी, जो देखने में तो बड़ी क्रांति जैसी लगीं, लेकिन अंततः व्यवस्था में कोई वास्तविक बदलाव नहीं ला सकीं।

साइबर सुरक्षा का नया सच: जितना भरोसा, उतना बड़ा जोखिम

प्रो. आरके जैन अरिजीत

आज हमारी बैंकिंग, निवेश, सरकारी सेवाएं, सामाजिक संपर्क और व्यावसायिक गतिविधियां पासवर्डों की सुरक्षा पर निर्भर हैं। इसी कारण पासवर्ड मैनेजर्स को डिजिटल सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद साधन माना जाने लगा। करोड़ों लोगों ने विश्वास कर लिया कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड उनकी पूरी डिजिटल पहचान की रक्षा कर सकता है। किंतु बीते दो वर्षों की घटनाओं ने इस धारणा को झकझोर दिया है। जून 2025 में 16 अरब लॉगिन सूचनाओं के अभूतपूर्व लीक और फरवरी 2026 में ईटीएच ज्यूरिख तथा यूएसआई लुगानो के शोधकताओं द्वारा बिटवार्डन, लास्टपास, डैशलेन और वनपासवर्ड में 27 गंभीर कमजोरियों के खुलासे ने सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। अब प्रश्न यह है कि क्या पूरी डिजिटल सुरक्षा किसी एक व्यवस्था के भरोसे छोड़ी जा सकती है।

असल संकट टेक्नोलॉजी से ज्यादा ट्रस्ट का है। आज भी लगभग 94 प्रतिशत पासवड्र्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिपीट हो रहे हैं, जबकि पासवर्ड मैनेजर्स का प्रयोग सिर्फ करीब 30 परसेंट यूजर्स ही कर रहे हैं। इन्हें अपनाने वाले यूजर्स ह्यजीरो-नॉलेज एन्क्रिप्शनह्ल को फाइनल सिक्योरिटी शील्ड मान लेते हैं। लेकिन हालिया अध्ययनों ने इस ट्रस्ट की परतें उधेड़ दी हैं। मैलिशियस सर्वर, की-मैनेजमेंट की वीकनेस और रिकवरी सिस्टम्स की खामियां मिलकर अटैकर्स को पूरे वॉल्ट तक पहुंचने का रास्ता दे सकती हैं। ऐसे में पासवड्र्स सिर्फ लीक ही नहीं होते, बल्कि बदले और चोरी भी किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जो सिक्योरिटी अटूट दिखती है, उसकी फाउंडेशन भी उतनी मजबूत नहीं जितनी समझी जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न तब खड़ा होता है, जब सुरक्षा का ट्रस्ट ही रिस्क में बदलने लगे। पासवर्ड मैनेजर्स आज इसी चैलेंज से घिरे हैं। पहले एक अकाउंट का पासवर्ड चोरी होने पर नुकसान सीमित रहता था, लेकिन अब एक वॉल्ट में सेंध पूरी डिजिटल आइडेंटिटी को खतरे में डाल सकती है। लास्टपास का 2022 का डेटा उल्लंघन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसके प्रभाव 2025-26 तक क्रिप्टो अकाउंट्स से फंड विदड्रॉल के रूप में दिखाई देते रहे। वहीं 2025 में इन्फोस्टीलर मालवेयर ने 1.8 बिलियन लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुरा लिए। साइबर क्रिमिनल्स अब पासवर्ड मैनेजर कंपनियों के नाम पर फेक कैंपेन चलाकर यूजर्स को नकली लॉगिन पेजेज तक पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा का प्रहरी आज स्वयं अटैकर्स के निशाने पर है।

असल चुनौती हमारी सुरक्षा संबंधी पुरानी सोच में छिपी है। अधिकांश लोग मानते हैं कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड ही पर्याप्त सुरक्षा दे सकता है, जबकि साइबर अटैक्स कहीं अधिक एडवांस्ड हो चुके हैं। डिवाइस-लेवल कीलॉगर, ब्राउजर की कमजोरियां, सप्लाई-चेन अटैक्स और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर आक्रमण नए खतरे बनकर उभरे हैं। शोधकताओं के अनुसार शेयरिंग सिस्टम और पब्लिक-की ऑथेंटिकेशन की कमियां पूरे ग्रुप वॉल्ट को रिस्क में डाल सकती हैं। ह्यजीरो-नॉलेजह्ल भी तभी तक प्रभावी है, जब तक सर्वर और उसकी प्रोसेसेज विश्वसनीय रहें। यदि आधारभूत ढांचा ही समझौता कर ले, तो एन्क्रिप्शन की सबसे मजबूत दीवार भी बेअसर हो सकती है। यही सच बताता है कि साइबर सिक्योरिटी में कोई भी टेक्नोलॉजी अजेय नहीं होती।

इसके बावजूद पासवर्ड मैनेजर्स को खारिज करना समाधान नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि लगभग 80 प्रतिशत डेटा उल्लंघनों की जड़ पासवड्र्स का दोहराव है। पासवर्ड मैनेजर्स हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम करते हैं। ऑटो-फिल, सिक्योरिटी अलर्ट, डार्क वेब मॉनिटरिंग और सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उनकी उपयोगिता बढ़ाती हैं। बिटवार्डन की ओपन-सोर्स ट्रांसपेरेंसी तथा वनपासवर्ड और नॉर्डपास द्वारा पासकी टेक्नोलॉजी को अपनाना भविष्य की दिशा का संकेत है। इसलिए जरूरत इन्हें छोड़ने की नहीं, बल्कि अधिक सुरक्षित और समझदारी से अपनाने की है।

साइबर सुरक्षा का अगला दौर धीरे-धीरे पासवर्ड-लेस व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पासकी टेक्नोलॉजी क्रिप्टोग्राफिक कीज पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक पासवड्र्स की तुलना में चुराना या ब्रेक करना कहीं अधिक कठिन माना जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की सिक्योरिटी सिस्टम की नींव माना जा रहा है। हालांकि इसका पूरा इकोसिस्टम अभी पूरी तरह मैच्योर नहीं हुआ है और सभी वेबसाइट्स तथा एप्लिकेशन्स इसे सपोर्ट नहीं करते। ऐसे में यूजर्स को पुराने और नए दोनों सिक्योरिटी फ्रेमवर्क्स के साथ चलना पड़ रहा है। पासकी रिकवरी और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी नई चुनौतियां तथा प्राइवेसी से जुड़े प्रश्न खड़े करते हैं। इसलिए नई टेक्नोलॉजी के फायदे के साथ उनके रिस्क को समझना भी उतना ही जरूरी है।बढ़ते साइबर खतरों के बीच समझदारी का रास्ता सतर्क ट्रस्ट से होकर गुजरता है। एक्सपट्र्स मजबूत मास्टर पासवर्ड, हार्डवेयर सिक्योरिटी की, मल्टी-लेयर ऑथेंटिकेशन और रेगुलर सिक्योरिटी टेस्टिंग के कॉम्बिनेशन की सलाह देते हैं। सिर्फ क्लाउड पर डिपेंड रहने के बजाय लोकल या हाइब्रिड स्टोरेज ऑप्शंस अतिरिक्त सुरक्षा दे सकते हैं। 2025 में पासवर्ड मैनेजमेंट मार्केट लगभग 3 बिलियन डॉलर का था और 2030 तक इसके तेजी से बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यूजर विश्वास की कमी, कॉस्ट और टेक्निकल कॉम्प्लेक्सिटी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं।

पर्यावरण का रखें हर पल ध्यान

पर्यावरण मतलब हमारे आस-पास का वातावरण यानी मिट्टी, हवा और पानी। स्वच्छ पर्यावरण हम सभी की उम्र में बढ़ोत्तरी करता है, लिहाजा हमें पर्यावरण की रक्षा के लिए सदैव संवेदनशील रहते हुए पर्यावरण के प्रति हमेशा एक जिम्मेदार नागरिक बने रहना चाहिए।जब हम सुबह सोकर उठें तो सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें क्योंकि धरती हमारे पर्यावरण का सबसे प्रमुख आधार है। बिना कुछ लिए और बिना कुछ कहे वो हमारा बोझ सहते रहती है। इसके बाद जल को प्रणाम करें। अगर सुबह हम सभी को वरूण देवता न मिलें तो फिर आगे की हमारी समस्त दिनचर्या, सभी धर्म, कर्म धरे के धरे रह जाएंगे।

इसलिए ही जल को भी महत्वपूर्ण मानते हुए हम सभी को अधिक से अधिक पानी बचाना चाहिए। इसके बाद अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए ताकि हम धरती के लोगों को हमेशा स्वच्छ हवा मिलती रहे।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में

बिजली बचाने में भी हमें सबसे आगे रहना चाहिए। साथ ही प्लास्टिक का उपयोग बंद करके हम पर्यावरण को हर पल एक नई संजीवनी दे सकते हैं। धरती को हमेशा हरी भरी बनाने के लिए और उसके आवरण, पर्यावरण को स्वच्छ रखते हुए उसे बचाने के लिए हमारे को हमेशा नील नील आसमान चाहिए। इसके लिए हवा को शुद्ध करते हुए पानी को भी बचाते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और बच्चों में भी यह जागरूकता पैदा करना चाहिए। बच्चों के जन्मदिवस पर पौधरोपण करने के साथ उसके पेड़ बनने के तक उसका संरक्षण करने के लिए बच्चों को ही उसके पालक बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए।प्रख्यात तत्व चिंतक हिप्पोक्रेट्स ने कहा था कि प्रकृति स्वयं ही सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक है अपने जीवन में कभी न कभी हममें से कई लोग प्रकृति की गोद में घूमने गए हैं और तरोताजा और तनावमुक्त होकर लौटे हैं। प्रकृति यानी आस पास के पर्यावरण के प्राकृतिक चक्र में हम अपने स्वार्थ के लिए किसी तरह की कोई गड़बड़ी करते हैं तो प्रकृति हमको इसका विपरीत जवाब दे देती है, जो हमारे जीवन के लिए काफी नुकसानदायक होता है।इसलिए भी प्रकृति को सर्वोत्तम चिकित्सक कहते हैं क्योंकि वह अपनी सामान्य प्रक्रिया को संतुलित रखने के लिए हमेशा अपने ढंग से अपनी व्यवस्था उचित तरीके से कर लेती है। प्राकृतिक आपदा प्रकृति के संतुलन की ही एक प्रक्रिया है। लिहाजा प्रकृति के साथ हमेशा संतुलन बनाकर हमें आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। तभी हम प्राकृतिक आपदा से भी बच सकेंगे।पर्यावरण की रक्षा करना न केवल हमारा नैतिक दायित्व है, बल्कि हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए भी यह अति आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर, चरम मौसमी घटनाओं और घटती जैव विविधता के रूप में हम पहले से ही देख रहे हैं कि अगर पर्यावरण के संरक्षण में तत्काल कोई कार्रवाई और प्रयास नहीं किए गए तो जलवायु परिवर्तन के ये कुप्रभाव और भी बदतर हो जाएंगे और मानव समाज और प्राकृतिक जगत दोनों के लिए दूरगामी हानिकारक परिणाम होंगे। पर्यावरण संरक्षण के सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है यथासंभव चीजों का कम से कम उपयोग करना, और पुनः उसका उपयोग करना या पुनर्चक्रण करना। पुनर्चक्रण या खाद बनाकर आप पर्यावरण पर अपने प्रभाव को कम कर सकते हैं। अपनी कार चलाने के बजाय सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करना कार्बन उत्सर्जन को कम करने का एक शानदार तरीका है। यदि आप सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर सकते हैं, तो दोस्तों या सहकर्मियों के साथ कारपूलिंग करने पर विचार करें। स्थानीय स्तर पर उत्पादित सामान और उत्पाद खरीदने से आपके कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिल सकती है। स्थानीय भोजन को आप तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती, जिसका अर्थ है कम से कम कार्बन उत्सर्जन। कमरे से बाहर निकलते समय लाइट बंद करना चाहिए। ऊर्जा बचाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने का यह भी एक आसान तरीका है। साथ ही, उन सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी बंद करना सुनिश्चित करें जिनका आप उपयोग नहीं कर रहे हैं।अधिक से अधिक पेड़ लगाना पर्यावरण की मदद करने का एक बेहतरीन तरीका है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, जिससे हवा को साफ करने और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद मिलती है। हम पर्यावरण के संरक्षण और पुनर्जनन के लिए प्रतिबद्ध हों, क्योंकि हम जानते हैं कि पर्यावरण की रक्षा करना ही भावी पीढ़ियों के लिए हमारी सर्वोत्तम विरासत हो सकती है।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिया। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन सहान अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। . उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बडोनी ने 24 और सुयश शेड्गे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए।

वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गास्का संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सिराज को आराम, कृष्णा शामिल

पेरिस (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ बातचीत के बाद सिराज को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले से पता चलता है कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पूरी सतर्कता रखता है।

इसी कारण बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिराज को एक लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पूरी तरह से तरोताजा होने का मौका दिया जाए। यह कदम उन्हें भविष्य में होने वाली एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट बनाये रखने की रणनीति का हिस्सा है। सिराज हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया था, जो उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की दिशा में एक और कदम था। अपने छोटे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सिराज ने अब तक 17 मैचों में 17 विकेट हासिल किए हैं।

सिराज की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। कृष्णा ने अपने पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट लिए हैं, जो उनकी विकेट लेने की क्षमता को दिखाता है। इसके अलावा आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए भी उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम अपने दौरे में आयरलैंड में दो टी20 जबकि इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

टीम इस प्रकार है

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित ये चार टीमें

-ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है सबसे अधिक बार खिताब

लंदन (एजेंसी)। 12 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैम्पियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी हैं। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना होगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है। उसने सबसे अधिक सात बार इस टूर्नामेंट का फाइनल अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया केवल एक बार, साल 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए फाइनल में हारी है। इसलिए इस बार भी कंगारुओं को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बाद, इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में सबसे अधिक चार बार फाइनल तक पहुंची है, हालांकि वह केवल एक बार, 2009 में जीत दर्ज करने में सफल रही है। वहीं साल 2012, 2014 और 2018 के फाइनलों में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है। कीवी टीम ने साल 2009 और साल 2010 में फाइनल खेला है पर उसे दोनों बार इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं साल 2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। पिछले कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी प्रभावित किया है। है। पिछले दो महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने जगह बनाई है, लेकिन दोनों ही बार वे चैंपियन बनने से रह गईं। साल 2023 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने और 2024 में न्यूजीलैंड ने हराया था। वहीं भारतीय टीम का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। भारतीय टीम साल 2020 विश्व कप में फाइनल में पहुंची थी पर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतना होगा।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रखते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है।

वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा है। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है।

यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में भले ही थोड़े भारी लगते हों, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ला बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरह से फिट हैं। यही कारण है कि कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने उन्हें अपने खान-पान में तत्काल कोई बड़ा बदलाव न करने की सलाह भी दी है, ताकि उनके स्वाभाविक खेल पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। वैभव अपने खेल और खाने के बीच एक ऐसा संतुलन बनाए हुए हैं, जो उन्हें एक विशिष्ट पहचान देता है और भविष्य में जब वह अपनी फिटनेस पर और काम करेंगे, तो निश्चित रूप से और भी खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

रोहित और हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए फिट हो जायेंगे : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट होने के करीब हैं। ऐसे में ये दोनो अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। कोटक ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल रिपोर्ट की पूरी जानकारी नहीं पर जो जानकारी मिली है। उससे साफ है कि इन दोनों की फिटनेस पहले से ठीक हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी शीघ्र ही पूरी फिटनेस हासिल कर लेंगे। कोटक के इस बयान से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों भी भी राहत है क्योंकि सभी को उम्मीद है कि रोहित इस सीरीज ही नहीं साल 2027 विश्व कप में भी खेलेंगे। रोहित आईपीएल के 19 वें सत्र के दौरान ही हैमस्टिंग के दर्द से परेशान थे। इसी कारण कारण वह कुछ महत्वपूर्ण मुकाबलों से बाहर थे। वहीं ऑलराउंडर पांड्या भी पीठ में अकड़न के कारण तीन मैचों से बाहर रहे थे। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अपनी चोटों से उबरते हुए सत्र के अंतिम चरण में अपनी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रोहित और हार्दिक की फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसका कारण है कि अभी तक इन दोनों को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है पर सोशल मीडिया पर इनकी ट्रेनिंग की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई है, जिससे प्रशसकों में उत्साह का माहौल है।

डेब्यू टेस्ट में छाए मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया स्पिन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा स्पिनर मानव सुथार के रुप में एक नया स्पिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहेली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खर्च करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार स्पिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही मानव सुथार ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान स्पिनर नरेंद्र हिरवानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस धाकड़ प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदें खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर स्पिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूं और विकेट ले सकूं। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द

तिजुआना (मैक्सिको)। ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं। विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट। ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजिलिस रैम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था। इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल-पुथल और बढ़ गई है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे। ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत एरिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है। महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ भी खेलेगा। पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी।

पाक क्रिकेटर खुशदिल शाह का विवादास्पद आरोप : भारत के पक्ष में जाते हैं अधिकांश अंपायरिंग फैसले

लाहौर । शाहिद अफरीदी सहित कई पाकिस्तानी क्रिकेटर हमेशा ही भारत के खिलाफ विवादास्पद बयान देते रहते हैं। अब इनमें ऑलराउंडर खुशदिल शाह भी शामिल हो गये हैं। जाने खुशदिल ने अब कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बड़े मुकाबलों में अंपायरिंग को लेकर अधिकतर फैसले भारत के पक्ष में जाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। ऐसे में खुशदिल के इस प्रकार के आरोप माहौल को और गर्मा सकते हैं। खुशदिल शाह ने सिर्फ अंपायरिंग पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि उन्होंने मैचों के आयोजन स्थल के चयन पर भी अपनी आपत्ति जताई है। शाह के अनुसार, अक्सर मैच स्थल भी भारत की पसंद के हिसाब से तय किए जाते हैं, जिससे उन्हें खेल में लाभ मिलता है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से भारत के खिलाफ इस तरह के आलोचनात्मक बयान नये नहीं है और पहले भी कई क्रिकेटर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते आये हैं। एक कार्यक्रम में जब इस क्रिकेटर से भार-पाक मुकाबलों को लेकर पूछा गया तो उसने कहा, मैच में दबाव तो ज्यादा नहीं होता परन्तु इस मैच से भावनाएं बहुत गहराई से जुड़ी होती हैं। दूसरी बात यह है कि मैच में जो चीजें होती हैं, वे अक्सर टीम इंडिया के पक्ष में जाती हैं। जैसे कभी-कभी अंपायर का फैसला उनके पक्ष में चला जाता है, और ड्रेसिंग रूम के कुछ फैसले होते हैं वे भी भारत के पक्ष में होते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच भी उनकी मर्जी से आयोजित होते हैं।

महिला टी20 विश्व कप : क्या भारत लगातार दूसरा खिताब जीत पाएगा?, 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्या भारत ऐतिहासिक 'डबल' (दो बड़े खिताब एक साथ जीतना) पूरा कर पाएगा? क्या ऑस्ट्रेलिया अपनी खोई हुई जगह वापस पा सकेगा? क्या हमेशा अंतिम पड़ाव पर चूकने वाला दक्षिण अफ्रीका इस बार सुर्खियां बटोरेगा? या कोई कमजोर मानी जाने वाली टीम रोमांचक जीत हासिल करेगी? इंग्लैंड में 12 जून से शुरू हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं हैं। आइए दावेदारों और उनकी चुनौतियों पर नजर डालते है-

भारत

पिछले साल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने के बाद भारत टी20 प्रारूप में जीत दर्ज करके शानदार 'डबल' पूरा करने के लिए उत्सुक होगा। ऐसा कमाल सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में ऐसा करने की क्षमता है जैसा कि पिछले छह महीने में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उनकी जीत से साबित हुआ है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका (4-1) और इंग्लैंड (2-1) के खिलाफ उनकी सरजमीं पर भारत को हार झेलनी पड़ी।

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की कमी भी खलेगी जो इंग्लैंड की परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकती थीं। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज शुरू से ही लय पकड़ लेंगी और रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शानदार खेल खेल पाएगी। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों ने 'द हंड्रेड' और 'किया सुपर लीग' में खेला है और वह अनुभव काम आएगा।

ऑस्ट्रेलिया

छह बार की चैंपियन टीम को एलिसा हीली के संन्यास के बाद सोफी मोलिन्यु के रूप में नई कप्तान मिली है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की असली ताकत उनकी जानी-पहचानी और भरोसेमंद कोर टीम है जिसमें एलिस पेरी, ताहलिया मैक्ग्रा, एशले गार्डनर, मेगन शुट, एलेना किंग और बेथ मूनी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन के आने से टीम और मजबूत हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद पहली बार बिना किसी ट्रॉफी के आईसीसी प्रतियोगिता में उतर रही है और वे निश्चित रूप से इस स्थिति को बदलना चाहेंगी।

न्यूजीलैंड

मौजूदा चैंपियन ऐसी टीम के साथ आ रहे हैं जिसमें अनुभव और युवा जोश का सही मिश्रण है और उन्हें हराना आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड की उम्मीदें मुख्य रूप से सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहु पर टिकी होंगी। टीम इस तिकड़ी के लिए खिताब जीतना चाहती है क्योंकि वे इस टूर्नामेंट के बाद इस प्रारूप से अलग हो जाएंगी। टीम को ऑलराउंडर अमेलिया केर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि हाल ही में बल्ले से उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वह 2024 में फाइनल और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थीं। पिछले दो वर्षों में उनकी साख और कौशल में और निखार आया है।

इंग्लैंड

मेजबान टीम नियमित कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट की फिटनेस पर नजर रखेगी जो भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेल पाई थीं। उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट के लिए फिट हो जाएंगी। लेकिन चार्ली डीन की कप्तानी में इंग्लैंड ने उस श्रृंखला में साबित कर दिया कि वे स्काइवर ब्रंट के बिना भी जीत सकते हैं। टीम ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की थी। टीम के पास एलिस कैप्सी, सोफी एक्लेस्टोन, लिंडसे स्मिथ, फ्रेया केम्प और अनुभवी खिलाड़ी हीथर नाइट और डैनी व्याट-हॉज जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं।

दक्षिण अफ्रीका

अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल को टीम में शामिल किया है लेकिन उनकी असली ताकत नेदिन डि क्लर्क, सुने लूस, क्लो ट्रायोन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में शानदार प्रदर्शन कर सकती हैं। शांत स्वभाव वाली लॉरा वोल्वार्ट की कप्तानी वाले दक्षिण अफ्रीका के पास मारिजेन कैप, अयाबोंगा खाका और एनेरी डर्कसेन के रूप में एक काबिल गेंदबाजी इकाई है। टीम को भारत और ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप में जगह मिली है इसलिए सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें हर समय सतर्क रहना होगा।

छुपा रुस्तम : श्रीलंका

विश्व कप से पहले श्रीलंका की टीम शानदार फॉर्म में है। टीम ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके घर पर पांच मैच जीते हैं। श्रीलंका की सबसे बड़ी स्टार कप्तान चामरी अथापट्टू हैं जिन्हें टूर्नामेंट में बल्ले से अहम भूमिका निभानी होगी। टीम हालांकि पिछले कुछ वर्षों में अपनी इस स्टार खिलाड़ी पर निर्भरता कम करने में कामयाब रही है।

श्रीलंका ने हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा और कविशा दिलहारी जैसी प्रतिभावान खिलाड़ियों को तैयार किया है। हालांकि टीम के पास भरोसेमंद तेज गेंदबाजी आक्रमण नहीं है इसलिए स्पिनरों से उम्मीद की जाएगी कि वे विरोधी टीम पर लगाम कसें। इंग्लैंड में धीमे गेंदबाज कितना असर डाल पाएंगे यह बहस का विषय है। टूर्नामेंट में यह टीम की कमजोरी साबित हो सकती है।

इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है।

अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते है। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नही रहा।'

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहे। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।' अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले है, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।' अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है। माधुरी ने बताया, 'इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली है। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।' 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

विशाल जेठवा ने 'शक्ति शालिनी' के लिए बदला लुक, बढ़ाया वजन

विशाल जेठवा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'शक्ति शालिनी' के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। फिल्म में अपने किरदार की जरूरत के मुताबिक वह पिछले कई महीनों से सख्त वर्कआउट, नियंत्रित डाइट और अनुशासित लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल इस भूमिका के लिए खास - तौर पर मसल्स बढ़ाने और खुद को बल्क-अप करने में जुटे हैं। विशाल ने अपनी फिटनेस जर्नी पर बात करते हुए कहा... 'पीक फिटनेस हासिल करना कभी आसान नहीं होता। लोग सिर्फ शारीरिक बदलाव देखते हैं, लेकिन इसके पीछे भावनात्मक और मानसिक अनुशासन भी उतना ही जरूरी होता है। मैं 'नो पेन, नो गेन' में विश्वास करता हूं, क्योंकि बदलाव तभी आता है जब आप मुश्किल दिनों में भी खुद को लगातार आगे बढ़ाते हैं। पूरी प्रक्रिया मेरे लिए सीखने का अनुभव रही है।' बता दें कि विशाल को हाल ही में 'होमबाउंड' के लिए खूब सराहना मिली थी।

शिल्पा शिंदे ने पोस्ट की क्रिप्टिक वीडियो, उत्पीड़न विवाद के बीच ट्रोल्स को दिया जवाब

भारती सिंह के पॉडकास्ट में यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाने की बात को स्वीकार करने के बाद टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे सुर्खियों में आ गई हैं। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्स उनको खरी-खोटी सुना रहे हैं। यह सब देखकर शिल्पा चुप नही बैठ रही है, उन्होंने ट्रोलिंग करने वालों को क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अपना जवाब दिया है। शिल्पा ने जलने वाले लोगों का जिक्र किया शनिवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे लिखती हैं, 'जलने वालों जलते रहो, अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जला के खत्म कर दो।' इसके अलावा एक और फनी वीडियो पोस्ट वह शेयर करती है। इसमें एक रील उन्होंने बनाई है। इसमें वह एक फनी डायलॉग को बोल रही है, 'साफ साफ बोलने के चक्कर में, जिंदगी से लोग ही साफ हो गए।'

क्या था पूरा मामला?

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। उन्होंने भारती सिंह के पॉडकास्ट में बताया कि सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ झूठा यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। लेकिन बाद में मामला सुलझ गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

साथ फिल्म करेंगे टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है। दोनों एक्टर्स के पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई। बता दें कि टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। ऐसा लगता है कि दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा करने के लिए दोनों वहां पहुंचे थे।

टाइगर और विद्युत अपने करियर फ्रंट पर और क्या रहे हैं? टाइगर श्रॉफ के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह फिल्म 'बागी 4' में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रेस्पॉन्स मिला था। वहीं विद्युत एक हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में जल्द ही नजर आएंगे, इसमें भी वह जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे।

हल्की फुल्की फिल्में करना चाहती हैं रसिका दुग्गल

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन गिनी चुनी एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने पर्दे पर ग्लैमर से ज्यादा गंभीर, संवेदनशील, इंटेंस वाली फिल्मों और किरदारों को तरजीह दी है। साल 2007 में 'अनवर' से डेब्यू करने वाली रसिका की फिल्मोग्राफी में आपको ऐसी कई फिल्में मिल जाती हैं, जो लीक से हटकर, अंडररेटेड, लेकिन क्लासिक हैं। फिर चाहे 'किस्सा' के नीली का किरदार हो या 'मंटो' में बेगम साफिया का।

जब ओटीटी का दौर आया, तो वहां भी 'मिर्जापुर' से लेकर 'देल्ही क्राइम', 'आउट ऑफ लव' जैसी वेब सीरीज ने रसिका नाम एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में दर्ज किया। 41 साल की रसिका हाल ही सैफ अली खान के साथ फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आईं, जहां वह कर्म और धर्म के बीच अपना कर्तव्य निभाने की जद्दोजहद में जूझ रहे जीवनसाथी का संबल बनती हैं। खास बातचीत में जब रसिका ने यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ऐसे गंभीर विषय ही उन्हें लुभाते है या कभी हल्के-फुल्के, कमर्शल प्रॉजेक्ट करने का भी मन होता है? तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया, 'मैं खुद कुछ हल्का-फुल्का या कॉमेडी कॉन्टेंट तलाश रही हूं। लेकिन साड़ी लहराने वाले रोल मुझे ऑफर ही नहीं होते।'

जमशेदपुर, झारखंड में पैदा हुई रसिका दुग्गल सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि होनहार स्टूडेंट भी रही हैं। उन्होंने 2004 में दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन से गणित में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। वह सोशल कम्युनिकेशंस मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एक्टिंग में पीजी डिप्लोमा कर चुकी हैं। 'नो स्मोकिंग', 'हाइजैक' और 'तहान' जैसी फिल्मों से छाप छोड़ चुकी रसिका कहती हैं, 'मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी। कमर्शियल न हो भी हो तो ठीक है।'

मैं भी चाहती हूं कि लोगों की इस धारणा को तोड़ सकूं

बकौल रसिका दुग्गल, 'मैं भी चाहती हूं कि ये जो धारणा है कि मैं किसी चीज में काम कर रही हूं तो वो इंटेंस ही होगी, उसे तोड़ तोड़ सकूं। आप सही हैं कि काफी बार मुझे ऐसे ही रोल मिलते हैं। कुछ हल्के फुल्के भी मिले हैं जैसे 'लूटकेस' या 'झूमरसली यौर्स', लेकिन मुझे और ऐसे रोल करने को मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी। असल में मैं खुद ऐसा कुछ ढूंढ रही हूं। जैसे अगर कॉमेडी में कुछ करने को मिले तो बहुत मजेदार होगा। क्या रसिका दुग्गल कभी पर्दे पर रूमानी अंदाज में पहाड़ों पर साड़ी का पल्लू लहराने वाली हीरोइन की तरह नजर आएंगी? इस पर वह कहती हैं, 'क्यों नहीं, बतौर एक्टर हम किसी चीज के लिए मना नहीं करते। हम सब अलग-अलग तरह का ही काम करना चाहते हैं, तो अगर ऐसा भी काम मिले तो कोई परहेज नहीं है। मैंने तो कभी ना नहीं कहा। मुझे कभी ऐसे रोल के ऑफर ही नहीं आए।'

लगातार अच्छा काम मिलना भी बड़ी बात

रसिका बॉलीवुड में एक इमेज में बांध दिए जाने के बाबत आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस इंटेंस-सीरियस वाले लेबल के अंदर भी हमें काफी कुछ करने को मिलता है। ऐसा नहीं है कि सारे इंटेंस रोल एक जैसे होते हैं। उसमें भी काफी विविधता होती है। यह भी बहुत अच्छी बात है। ऐसा सबकी लाइफ में नहीं होता कि आपको लगातार काम मिलता रहे और अच्छी स्क्रिप्ट मिलती रहे। साथ ही हर एक्टर चाहता है कि आपको एक अलग पहलू भी लोगों को दिखाने का मौका मिले लेकिन वो ऑफर मिलने की बात है।'

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के वर्ल्ड कप बेस कैंप के पास फायरिंग में 9 घायल

कैनसस सिटी, एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में इंग्लैंड की फीफा वर्ल्ड कप-2026 बेस कैंप साइट के पास शनिवार को गोलीबारी हुई, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। घटना ऐसे समय हुई है जब उत्तरी अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप-2026 शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। गोलीबारी कैनसस सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज के करीब हुई, जिसे वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग बेस कैंप बनाया गया है। घटना स्थल बेस कैंप से करीब 4 मील दूर बताया गया है। हालांकि, इंग्लैंड की टीम अभी वहां नहीं पहुंची है। टीम बुधवार को साइट पर पहुंचेगी और शनिवार को कोस्टा रिका के खिलाफ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मैच खेलेगी। कैनसस सिटी पुलिस के अनुसार फायरिंग में घायल सभी 9 लोगों की जान को कोई खतरा नहीं है। इनमें से कम से कम 3 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी नहीं किया गया है और जांच जारी है। इंग्लैंड वर्ल्ड कप-2026 में ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेल रहा है। टीम अपना पहला मुकाबला 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगी। 1966 की विश्व चैंपियन इंग्लैंड 25 साल बाद दूसरा विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

बांग्लादेश में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म-हत्या में दंपती को मृत्युदंड

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक दंपती को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा बताया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया। जस्टिस मसरूर सालेकिन ने रविवार को सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई और क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी निजी वकील दंपती की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके कारण अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया। बांग्लादेशी कानून के तहत, निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना का ऑपरेशन, 27 आतंकियों के मारे जाने का दावा; सुरक्षा हालात तनावपूर्ण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में कई खुफिया-आधारित अभियानों के तहत की गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, यह ऑपरेशन मीर अली और मीरानशाह इलाकों में आतंकियों के ठिकानों पर केंद्रित था। कई ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई की। इस दौरान भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 27 आतंकवादी मारे गए। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे आतंकी आईएसपीआर के बयान के अनुसार, मारे गए आतंकियों पर निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्याओं में शामिल होने का आरोप था। सुरक्षा बलों ने उन्हें विदेशी समर्थित आतंकवाद से जुड़ा बताया है। सेना ने यह भी दावा किया कि इस ऑपरेशन के दौरान स्थानीय नेता शहीद मलिक सैफुल्लाह दावर की हत्या का बदला भी लिया गया। मीरानशाह में हुई इस घटना के जिम्मेदार आतंकियों को इस कार्रवाई में मार गिराया गया। आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा सुरक्षा एजेंसियों ने कहा है कि इलाके में अभी भी तलाशी और सफाई अभियान जारी है, ताकि किसी भी छिपे हुए आतंकी को खत्म किया जा सके। पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश से विदेशी समर्थित आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करना है।

टूट गया सीजफायर? ईरान ने इस्राइल पर दागीं मिसाइलें, तेहरान में एयरस्पेस बंद; सऊदी में खतरा टला

तेहरान / तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर मिसाइलों से हमला किया है। अप्रैल की शुरुआत में लागू हुए युद्धविराम के बाद यह पहली बार है जब ईरान की ओर से ऐसा हमला किया गया है। इस घटनाक्रम से युद्ध समाप्त करने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को बड़ा झटका लग सकता है।

ईरान की मिसाइल बौछारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।' इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने तड़के लगभग 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालांकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई। आईआरएनए के अनुसार, इजरायली सेना ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से संबंधित कई सैन्य ठिकानों और केंद्रों को निशाना बनाया है। आईआरएनए के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि इजरायल ने अपने नवीनतम हमलों में हवाई-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना ने रविवार रात ईरान के हमलों की जानकारी देते हुए कहा था कि वह किसी भी संभावित मिसाइल हमले और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। आईडीएफ के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने रविवार को कहा कि मिसाइलें दागकर ईरान ने 'बहुत बड़ी गलती' की है। बीती रात ईरान ने इजरायल की ओर चार बार मिसाइलों की बौछार की थी। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। ईरान के नजफाबाद के पास इजरायली हमलों के बाद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। अल-मायादीन की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी : ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी ईरान ने सऊदी अरब के अल-खार्ज एयर बेस पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने अल-खार्ज एयर बेस की ओर कोई भी गोली या मिसाइल नहीं दागी है। यह बयान उस समय आया जब अल-खार्ज इलाके में धमाके जैसी खबरें सामने आईं और सऊदी सिविल डिफेंस ने संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की थी। हालांकि बाद में सऊदी अरब ने कहा कि खतरा टल गया है। फिलहाल घटना को लेकर तनाव बना हुआ है।

यमन की ओर से इस्राइल पर दागी गई मिसाइल : इस्राइल की सेना ने दावा किया है कि यमन की दिशा से उसकी सीमा की ओर एक मिसाइल दागी गई है। सेना के अनुसार मिसाइल का पता लगते ही रक्षा प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया और खतरे को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सिस्टम काम में लगाए गए। इस्राइली सेना ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हताहत की जानकारी सामने नहीं आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस हमले ने क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

सऊदी अरब ने हटाया अलर्ट, अल-खार्ज में खतरा टला : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खार्ज गवर्नरेट में जारी संभावित खतरे का अलर्ट वापस ले लिया है। विभाग ने कहा कि अब स्थिति सामान्य है और खतरा टल चुका है। इससे कुछ देर पहले प्रशासन ने लोगों को घरों में रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी। हालांकि अधिकारियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि खतरा किस प्रकार का था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस अलर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। सऊदी अरब में अलर्ट जारी सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खार्ज गवर्नरेट में संभावित खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने और अगली सूचना तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच दोबारा मतदान की मांग, सड़कों पर उतरे हजारों प्रदर्शनकारी

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में पिछले सप्ताह हुए स्थानीय चुनावों में कथित धांधली के दावों ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के पूर्वी हिस्से में स्थित सोंगपा जिले के एसके ओलंपिक हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पिछले तीन दिनों से डेरा डाले हुए हैं। इन प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट रूप से मानना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और वे अब नए सिरे से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने किया घेराव : जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर तक लगभग 3,000 लोग धरना स्थल पर जमा थे, हालांकि शनिवार को यह संख्या 30,000 के करीब पहुंच गई थी। प्रदर्शनकारियों ने जिम्नेजियम परिसर के सभी आठ प्रवेश द्वारों को घेर रखा है ताकि अंदर रखी मतपेटियों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। वे लगातार चुनाव दोबारा कराने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच शनिवार को करीब 20 से 30 चुनाव अधिकारी वहां से निकलने में कामयाब रहे लेकिन राष्ट्रीय चुनाव आयोग (एनईसी) ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बैलेट पेपर की कमी : राजधानी सियोल में चुनाव के दौरान अव्यवस्था की खबरें बुधवार को ही सामने आने लगी थीं, जब सियोल के सोंगपा और गंगनम जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित 12 से अधिक

मतदान केंद्रों पर बैलेट पेपर कम पड़ गए थे। इस कमी के कारण कई घंटों तक मतदान रोकना पड़ा और निराश होकर कई मतदाता बिना वोट डाले ही वापस लौट गए। इस प्रशासनिक विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष रोह ताए-अक और महासचिव हेओ चेओल-हून ने शुक्रवार को अपने पदों से इस्तीफे की पेशकश कर दी है। मुख्य विपक्षी दल, पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने इस विरोध प्रदर्शन को 'शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध आंदोलन' करार दिया है। पार्टी नेता जांग डोंग-ह्योक ने नेशनल असेंबली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मांग की है कि केवल जांच या अधिकारियों को बदलने से जनता का गुस्सा शांत नहीं होगा, बल्कि दोबारा चुनाव ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने राष्ट्रपति ली जे-म्युंग से इस मुद्दे पर तत्काल वार्ता का प्रस्ताव रखा है। विपक्ष ने राष्ट्रपति को चेतावनी भी दी है कि यदि वे इस संकट को सुलझाए बिना अपनी निर्धारित यूरोप यात्रा पर जाते हैं, तो उन्हें और अधिक व्यापक जन-विरोध का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए इस पूरी घटना पर खेद जताया है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज

तेहरान, एजेंसी। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है। आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने 'दो थोपे गए युद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया।

गाजा में इस्राइली हमलों में नौ फलस्तीनियों की मौत; बेन ग्वीर के सोशल मीडिया पोस्ट पर छिड़ा विवाद

गाजा, एजेंसी। गाजा में रविवार को इस्राइल के हवाई हमलों में कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में एक पुलिस चौकी पर हुए इस्राइली हवाई हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों और मृतकों को रेड क्रिसेंट द्वारा संचालित फील्ड अस्पताल में ले जाया गया। इसके बाद दिन में गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में एक वाहन पर हुए इस्राइली हमले में कम से कम चार और फलस्तीनियों की मौत हो गई। शिफा अस्पताल ने इन मृतकों के शव प्राप्त होने की पुष्टि की है।

इस्राइली सेना ने हमलों पर नहीं की टिप्पणी : इन दोनों हमलों पर इस्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई। हालांकि, इस्राइल पहले भी कहता रहा है कि वह उन लड़ाकों को निशाना बनाता है जो उसकी सेना के लिए खतरा बन सकते हैं। पिछले साल अक्तूबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के बाद बड़े पैमाने की लड़ाई में कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद लगभग रोजाना इस्राइली गोलीबारी और हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं।

'गाजा के 70% हिस्से पर होगा इस्राइल का नियंत्रण : इस बीच, ईरान द्वारा इस्राइल पर मिसाइलें दागे जाने के बाद सुरक्षा स्थिति बिगड़ने का हवाला देते हुए इस्राइल ने गाजा के साथ सभी सीमा पार मार्गों को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। गाजा में मानवीय सहायता की निगरानी करने वाली इस्राइली रक्षा एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि इस्राइल जल्द ही गाजा के 70 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे नियंत्रण में गाजा का 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र है और जल्द ही हम 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएंगे'। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्राइल हमास को दोबारा हथियार जुटाने या इस्राइल को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगा। वहीं, अमेरिका द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस के प्रमुख ने पिछले महीने माना था कि युद्धविराम प्रक्रिया का अगला चरण फिलहाल रुका हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण हमास को निरस्त्र करने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति न बन पाना बताया गया है।

हमलावर को मारने के बाद मंत्री का वीडियो विवादों में : एक अलग घटना में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों की सराहना की, जिन्होंने एक हमलावर को मार गिराया था। इस्राइल के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह मृत हमलावर के शव के पास खड़े दिखाई दिए। वीडियो में बेन-गवीर ने कहा, 'हर आतंकवादी का यही अंत होना चाहिए'। बेन-गवीर हाल ही में फलस्तीनी हमलावरों के लिए मृत्युदंड लागू करने संबंधी कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश कर चुके हैं, हालांकि इस कानून को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेन-गवीर इससे पहले भी कई विवादित वीडियो और बयानों को लेकर आलोचनाओं में रहे हैं। गाजा की समुद्री नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से जुड़े उनके वीडियो पर भी काफी विवाद हुआ था। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में भी हिंसा में तेजी आई है। इस्राइल ने वहां सैन्य अभियानों को बढ़ाया है, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, ईरान का खतरा काफी हद तक बेअसर हो गया है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताएं काफी कमजोर हो गई हैं और यह संघर्ष 'अंतहीन युद्ध' नहीं बनेगा। उन्होंने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका तेहरान के साथ परमाणु समझौते को सुरक्षित करने या सैन्य साधनों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब केवल अपने मिसाइल भंडार का एक छोटा सा हिस्सा ही बचा है। महीनों तक चली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान से उत्पन्न खतरा काफी हद तक कम हो गया है। ईरान की शेष सैन्य क्षमता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'शायद उनके पास 21-22 प्रतिशत मिसाइलें बची हैं। यह काफी संख्या में मिसाइलें हैं। लेकिन यह वैसी नहीं हैं, जैसी तब थीं जब हमने पहली बार हमला किया था। जब उनसे

पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और लंबे मध्य पूर्व संघर्ष में फंसने के खतरे का सामना कर रहा है, तो ट्रंप ने इस तुलना को खारिज कर दिया और कहा कि ईरान के खिलाफ चलाया गया अभियान इस क्षेत्र में पहले हुए अमेरिकी युद्धों से बहुत अलग है। उन्होंने कहा, 'मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं। यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है।' यह साक्षात्कार ऐसे समय हुआ जब संघर्ष को 100 दिन पूरे हो चुके थे और प्रशासन की दीर्घकालिक रणनीति और वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावनाओं पर सवाल उठते जा रहे थे। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने पहले ही प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा, "हमने उनकी सेना को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, ईरान के अधिकांश ड्रोन कारखाने, प्रक्षेपण स्थल और मिसाइल उत्पादन ठिकाने नष्ट कर दी गई हैं। राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान की सैन्य अवसंरचना को शीघ्रता से पुनर्निर्मित करने की क्षमता को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें पुनर्निर्माण में 15 या 20 साल लगेंगे। लेकिन मैं उन्हें यह मौका भी नहीं देने वाला। हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते। और हम ऐसा होने नहीं देंगे। जब उनसे पूछा गया कि यदि वार्ता विफल हो जाती है तो पुनः सैन्य कार्रवाई किस आधार पर की जाएगी, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी लक्ष्मण रेखा तब होगी जब मुझे लगेगा कि मैं कोई समझौता नहीं कर पाऊंगा, या अगर मैं पर्याप्त तेजी से समझौता नहीं कर पाऊंगा।' राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि वार्ता समापन के करीब है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं, अगर कूटनीति विफल रही, तो हम इसे सैन्य रूप से समाप्त कर देंगे। ट्रंप ने उन सुझावों को भी खारिज कर दिया कि यह संघर्ष नए युद्धों से बचने के उनके लंबे समय से चले आ रहे चुनावी वादे के विपरीत है। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ भी वादा नहीं किया था। मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं, यह अभियान आवश्यक था, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने की ओर बढ़ रहा था। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस बात का भरोसा है कि संघर्ष दलदल में नहीं बदलेगा, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम उस स्थिति में नहीं पहुंचने वाले हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका 'लगभग तैयार' है और उसे या तो एक 'मजबूत समझौता' या टकराव का निर्णायक निष्कर्ष मिलने की उम्मीद है।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमान

सैंटो डोमिंगो , एजेंसी। डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत यह बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई।

दुर्घटना का मंजर विचलित करने वाले : प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई।

विमान में सवार पायलट और सह-पायलट की मौत : डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएसी) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह-पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएसी ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था।

टेक्सास जा रही थी फ्लाइट : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान आग लग गई। क्या गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण हुई दुर्घटना? विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी। विमान में आई गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण आपात स्थिति की सूचना दी गई। उस समय विमान ला रोमाना से लगभग 16 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में था। हादसे की आशंका को देखते हुए पायलटों ने विमान को तत्काल नजदीकी वापस हवाई अड्डे पर लाने का प्रयास किया। आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करने के दौरान विमान क्रैश हो गया।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई बिल्डिंग गिरीं:एक की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस के भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 में था, जबकि स्लस ने 55 किलोमीटर गहराई दर्ज की। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है।

जनरल सैंटोस के पास था भूकंप का केंद्र : फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप पर जनरल सैंटोस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:37 बजे आया, जिससे पूरे क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए।

भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल : जनरल सैंटोस सिटी पुलिस के मास्टर सार्जेंट रॉबर्ट डैगन ने बताया कि कई भवन प्रभावित हुए हैं और राहत-बचाव का काम लगातार जारी है। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी चली गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। जनरल सैंटोस सिटी प्रशासन ने दुकानों और

इमारतों को पहुंचे भारी नुकसान की तस्वीरें जारी की हैं। सरंगानी प्रांत के अलाबेल कस्बे के पुलिस प्रमुख बेंजी एंचेटा ने बताया कि पुलिस स्टेशन की इमारत में भी दरारें आ गई हैं। एंचेटा ने रॉयटर्स से कहा, 'यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है जिसे हमने यहां महसूस किया है।' उनके मुताबिक झटकों के दौरान कुछ लोग डर के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह फिलीपींस भूकंप संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बाकोलकोल ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों या ऊंचे इलाकों में जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल को अलर्ट कर दिया गया है।

सुनामी का अलर्ट जारी : भूकंप के तुरंत बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कई देशों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया। केंद्र ने चेतावनी दी कि अगले तीन घंटों के भीतर इंडोनेशिया, फिलीपींस, पलाऊ, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के कुछ तटीय इलाकों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी।

कई देशों में महसूस हुए झटके : भूकंप के झटके सिर्फ फिलीपींस तक सीमित नहीं रहे। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी और नॉर्थ मालुकू प्रांतों में भी कंपन महसूस किया गया।

राज्यपाल-सीएम ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि, कहा- सवा सौ साल बाद भी हर वर्ग कर रहा याद

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची)
धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर सोमवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। दोनों नेताओं ने धरती आबा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।
इसके बाद राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री बिरसा चौक पहुंचे। वहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कोटि-कोटि नमन किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया।

ह्लसवा सौ साल बाद भी प्रासंगिक हैं बिरसाह्ल
इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि है। ह्लगभग सवा सौ साल के लंबे वक्त में भी आज पूरे देश में आदिवासी समुदाय सहित हर वर्ग के बीच उनको याद किया जा रहा है। निश्चित रूप से ऐसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व को सम्मान के साथ याद किया जाना बहुत ही महत्वपूर्ण बात है,ह्व मुख्यमंत्री ने कहा।
उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ी और अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। उनका उलगुलान और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी कहा कि 25 साल की उम्र में देश के लिए शहीद होने वाले बिरसा मुंडा का संघर्ष युवाओं के लिए मिसाल है।
समाधि स्थल और बिरसा चौक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम लोग भी मौजूद रहे। उलगुलान जिंदाबादह्न के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता में जामताड़ा को तीसरा स्थान, उपायुक्त ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :
20वीं जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जामताड़ा की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त आलोक कुमार ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता जिले की बेटियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जामताड़ा की बालिकाओं ने खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी लगन और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने तथा राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।गौरतलब है कि 20वीं जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 29 मई से 31 मई तक जामताड़ा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में किया गया था। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की टीमों ने भाग लिया था। कड़े मुकाबलों के बीच जामताड़ा की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। जामताड़ा जिला खो-खो संघ के महासचिव नंदन सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय खो-खो संघ के निदेशानुसार तथा पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन जामताड़ा के सहयोग से किया गया। इसका संचालन झारखंड राज्य खो-खो संघ एवं जामताड़ा जिला खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। उन्होंने बताया कि टीम की सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क का उत्कृष्ट परिचय दिया। जामताड़ा टीम में जवाहर नवोदय विद्यालय, गर्ल्स हाई स्कूल, ज्ञान रेणु विद्या निकेतन, संत एंथोनी स्कूल तथा केंद्रीय विद्यालय जामताड़ा की छात्राएं शामिल थीं। मौके पर जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ. दुर्गा दास भंडारी, महासचिव नंदन सिंह, कोषाध्यक्ष गौरव जोशी, सुभाष सोरेन सहित खेल प्रेमी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए समय पर बीज वितरण के निर्देश

सवांददाता कुमार विक्रम,
दुमका-उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान और भूमि संरक्षण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए और नए आवेदन सृजित किए जाएं। उन्होंने कृषि विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों के बीच समय पर गुणवत्तापूर्ण बीजों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, किसानों को 'श्री विधि' से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने और दाल उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके।सॉइल हेल्थ कार्ड योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभिन्न प्रखंडों में कैंप लगाकर कार्ड बांटे जा रहे हैं। उपायुक्त ने इस टेस्टिंग के प्रति किसानों को जागरूक करने का निर्देश दिया। वहीं, किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा में खराब प्रदर्शन पाए जाने पर उपायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए जामा के प्रखंड कृषि पदाधिकारी से स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने सभी प्रखंडों को तय लक्ष्य के अनुरूप काम करने की हिदायत दी।
बैठक में कृषि पाठशाला कार्यक्रम के तहत किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों का नियमित प्रशिक्षण देने और पशुपालन विभाग को मिशन मोड में पशुओं का टीकाकरण करने का निर्देश दिया गया।

जामताड़ा प्रखंड परिसर में आम महोत्सव का हुआ आयोजन

बिरसा हरित आम बागवानी योजना से जुड़े किसानों ने प्रदर्शित किए उत्कृष्ट आम, खरीदारों में दिखा उत्साह

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :
जामताड़ा उपायुक्त आलोक कुमार के निदेशानुसार मंगलवार को प्रखंड परिसर में बिरसा हरित आम बागवानी योजना के अंतर्गत भव्य आम महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम उत्पादक किसानों को बाजार उपलब्ध कराना, बागवानी को बढ़ावा देना तथा किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना था। महोत्सव का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख लुखीमुनी सोरेन, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी अबिश्वर मुर्मू, जिला परियोजना पदाधिकारी पूनम कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार की बिरसा हरित आम बागवानी योजना किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आम महोत्सव में जिले के विभिन्न

क्षेत्रों से आए बागवानी लाभुकों ने अपने बगीचों में उत्पादित विभिन्न किस्मों के आमों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। विशेष आकर्षण के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी के आवासीय परिसर स्थित आम बागान के आम भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए, जिन्हें लोगों ने काफी पसंद किया। महोत्सव में जामताड़ा प्रखंड की सभी पंचायतों से जुड़े बागवानी लाभुक अपने-अपने बगीचों के ताजे एवं गुणवत्तापूर्ण आम लेकर पहुंचे। किसानों ने आम की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन किया, जिससे खरीदारों को स्थानीय स्तर पर उत्पादित फलों की गुणवत्ता देखने और खरीदने का अवसर मिला। कार्यक्रम में आम की बिक्री के साथ-साथ किसानों और खरीदारों के बीच सीधे संवाद की भी व्यवस्था की गई, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम करने और किसानों को उचित लाभ दिलाने का प्रयास किया गया।अधिकारियों ने कहा कि बिरसा हरित आम बागवानी योजना के माध्यम से जिले में बड़े पैमाने पर फलदार पौधों का रोपण किया गया है, जिसका सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगा है। आम उत्पादन में वृद्धि होने से किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। महोत्सव में बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा आम उपभोक्ता उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह का माहौल देखने को मिला और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण पहल माना गया।

दीप प्रज्वलित कर भगवान बिरसा मुंडा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि,

सवांददाता कुमार विक्रम
दुमका- धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला इकाई द्वारा मंगलवार शाम एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त आवास के समीप स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष भाजपा कार्यकताओं ने दीप प्रज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में दर्जनों कार्यकताओं ने भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें और उलगुलान जिंदाबाद के नारों के साथ धरती आबा को नमन किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में भगवान बिरसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी,

लेकिन वे देश के करोड़ों आदिवासियों और शोषितों के दिलों में हमेशा के लिए अमर हो गए। उन्होंने संकल्प लिया कि जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए बिरसा मुंडा द्वारा जलाई गई उलगुलान की मशाल को भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता कभी बुझने नहीं देगा।इस दौरान उन्होंने वर्तमान हेमंत सरकार और कांग्रेस-झामुमो गठबंधन पर तीखा निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर वोट बैंक की राजनीति की, आज उनके राज में आदिवासी बेटियों की जमीन लूटी जा रही है और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का खेल चल रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने बिरसा मुंडा को सिर्फ पोस्टरों तक सीमित रखा, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' घोषित कर उन्हें राष्ट्र नायक का सच्चा सम्मान दिया।रूपेश मंडल ने अबुआ दिशुम अबुआ राज के नारे को दोहराते हुए कहा कि भाजपा बिरसा मुंडा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हर आदिवासी युवा को रोजगार और सम्मान मिले। कार्यक्रम में जिला महामंत्री बिमल मरांडी, मृणाल मिश्रा, पवन केसरी, मनोज साह, सुनील गुप्ता, रवींद्र बास्की, किशोरेंद्र दास, नीतू झा, गायत्री जायसवाल सहित भारी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गयावी में एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 49 किलो डोडा बरामद

रफ्तार मीडिया/गयाजी
प्रभात सिन्हा/ वरीय संवाददाता
सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 29वीं वाहिनी गयाजी एवं जिला पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर 49 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ डोडा बरामद करने में सफलता हासिल की है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, 8 जून की रात लगभग 10:15 बजे विश्वसनीय सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर 29वीं वाहिनी एसएसबी, गयाजी के द्वितीय कमान अधिकारी (कार्यवाहक कमांडेंट) असीम उपाध्याय के निर्देशन तथा सहायक कमांडेंट सनोज राज के नेतृत्व में एसएसबी और धनगई थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने विशेष तलाशी अभियान चलाया।
अभियान के दौरान गयाजी जिले के धनगई थाना क्षेत्र के ग्राम लट दुआरी, पोस्ट ऑफिस पतलुका में सघन तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में कुल 49 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ डोडा बरामद किया गया। बरामद सामग्री को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए धनगई थाना को सौंप दिया गया है।
एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती एवं संवेदनशील क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार निगरानी और विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इस कार्रवाई को नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी लंबित प्रक्रियाओं को पूर्ण करने का निर्देश।

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा
समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में गोड्डा जिलान्तर्गत महागामा प्रखंड में प्रस्तावित नवीन पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना हेतु आवश्यक तैयारियों एवं केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रतिबद्धताओं की पूर्ति से संबंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक, तकनीकी एवं आधारभूत पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित विभागों के पदाधिकारियों द्वारा विद्यालय स्थापना की वर्तमान स्थिति, भूमि उपलब्धता, आवश्यक संसाधनों तथा लंबित प्रक्रियाओं की अद्यतन जानकारी उपायुक्त को उपलब्ध कराई गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने विद्यालय स्थापना हेतु चिन्हित भूमि की उपलब्धता एवं उसकी वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा इससे संबंधित सभी औपचारिकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालय परिसर तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संपर्क पथ, पेयजल सुविधा, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत संरचनात्मक सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि जिले में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र सरकार एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा निर्धारित सभी शर्तों एवं प्रतिबद्धताओं का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यालय स्थापना की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। बैठक के दौरान भूमि हस्तांतरण, आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी), अस्थायी भवन की उपलब्धता, स्थायी भवन निर्माण की संभावनाएं, सुरक्षा व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक बिंदुओं पर भी विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त ने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना हेतु आवश्यक सभी सहयोग एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। संबंधित विभागों को नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

दुमदुमी विद्यालय को मिली विकास की नई सौगात, नए भवन व चहारदीवारी का शिलान्यास

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया
तोपचांची प्रखंड अंतर्गत पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय, दुमदुमी में नए विद्यालय भवन, शौचालय एवं चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो तथा सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं विद्यालय परिवार के सदस्य शामिल हुए। विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि नए भवन के निर्माण से विद्यालय में कक्षाओं की कमी दूर होगी और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा। वहीं शौचालय एवं चहारदीवारी निर्माण से विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।
उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यहां के बच्चे लगातार बेहतर परिणाम देकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। साथ ही विद्यालय में शिक्षकों की कमी को जल्द दूर करने का आश्वासन भी दिया।
सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के तहत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए लाभकारी साबित होगा।
मौजूद लोगों ने विद्यालय में शुरू हो रहे विकास कार्यों का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर थाना प्रभारी लव कुमार, विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, मुखिया माधुरी देवी, सदानंद महतो, सरजू महतो, अनंत लाल महतो, अमित परमाणिक, प्रेमचंद महतो, राजू परमाणिक, सोहन लाल महतो, नूरजहां खातून, सरिता देवी, मंजू देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अच्छी वर्षा और भरपूर फसल की कामना को लेकर बुढ़ा महादेव मंदिर में हुआ जलाभिषेक

रफ्तार संवाददाता रंजीत पालकोट। प्रखंड क्षेत्र में अच्छी वर्षा एवं भरपूर फसल की कामना को लेकर मंगलवार को बुढ़ा महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान एवं श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्रित हुए और भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि तथा किसानों की खुशहाली की प्रार्थना की।
सुबह से ही श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा एवं अन्य पूजन सामग्रियों से अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने समय पर अच्छी वर्षा होने, खेतों में पर्याप्त पानी उपलब्ध रहने तथा किसानों की फसल लहलहाने की कामना की।ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है और किसानों की आर्थिक स्थिति अच्छी वर्षा पर काफी हद तक आधारित रहती है। समय पर बारिश होने से धान समेत अन्य फसलों का उत्पादन बेहतर होता है, जबकि वर्षा की कमी से किसानों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसी परंपरा के तहत हर वर्ष खेती के मौसम की शुरूआत में भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश और समृद्ध फसल की प्रार्थना की जाती है।
श्रद्धालुओं ने विश्वास व्यक्त किया कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से इस वर्ष क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा होगी और किसानों के खेतों में अच्छी उपज होगी।पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महर्षि दयानंद गुरुकुल निरसा प्रतिनिधिमंडल ने निरसा एसडीपीओ लिलेश्वर महतो को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया

कुमारधुबी- महर्षि दयानंद गुरुकुल निरसा के प्रतिनिधिमंडल ने नवपदस्थापित एसडीपीओ लिलेश्वर महतो को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।
इस अवसर पर गुरुकुल के अध्यक्ष हरहर आर्य, उपाध्यक्ष मनु सिंह तथा संगठन मंत्री प्रभु सिंह उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने एसडीपीओ महोदय को गुरुकुल के संचालन, शैक्षणिक गतिविधियों तथा सामाजिक कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही स्थानीय विधि-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, अपराध मुक्त वातावरण बनाने तथा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोग की अपील भी की।
लिलेश्वर महतो ने पदग्रहण के तुरंत बाद ही क्षेत्र में सक्रियता दिखाई है। उनकी सतर्कता, कुशल नेतृत्व और त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप कई गंभीर अपराधों का उद्भेदन हुआ है तथा दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा गया है। क्षेत्रवासियों द्वारा उनकी निष्पक्षता, समर्पण और व्यावसायिक दक्षता की खुलकर प्रशंसा की जा रही है।
यह मुलाकात विधि-व्यवस्था और सामाजिक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित होगी।

पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 साल पूरे, विशेष डाक टिकट-सिक्का जारी; एनएचएम निदेशक ने कहा- अस्पतालों में लगेंगे मातृत्व स्वास्थ्य के होर्डिंग

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर) रांची//गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा और मातृ स्वास्थ्य को समर्पित 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' (पीएमएसएमए) ने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने नई दिल्ली में सोमवार को विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल मुख्य रूप से शामिल हुए।

स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार में पीएमएसएमए का अहम योगदानः नड्डा

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पीएमएसएमए ने देश के स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने 2016 में शुरू हुए इस अभियान से जुड़े अग्रिम पंक्ति के सभी स्वास्थ्य कर्मियों और पूरी टीम को बधाई दी। कहा कि इस अभियान से संस्थागत प्रसव बढ़े हैं और मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। हर माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जांच, परामर्श और उपचार की सुविधा दी जा रही है।

झारखंड में भी जागरूकता अभियान तेज

इधर, पीएमएसएमए के 10 वर्ष पूरे होने पर झारखंड एनएचएम के निदेशक ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया है। निदेशक ने कहा कि सभी अस्पतालों में मातृत्व स्वास्थ्य से जुड़ी सूचनाओं के होर्डिंग लगाए जाएं। इसमें पीएमएसएमए के तहत मिलने वाली सुविधाओं, जांच की तारीख, निःशुल्क सेवाओं और हेल्पलाइन नंबर की जानकारी हो। मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा गर्भवती महिलाओं तक योजना की जानकारी पहुंचे और वे इसका लाभ लें।

पीएमएसएमए के तहत दूसरी और तीसरी तिमाही की गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच, अल्ट्रासाउंड, खून-जांच और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान कर उचित प्रबंधन किया जाता है। झारखंड में भी इस अभियान से मातृ-शिशु मृत्यु दर में गिरावट दर्ज की गई है।

एस.एन.एम.एम.सी.एच. धनबाद में जीवनरक्षक घटक (फैक्टर) 7, 8 और 9 की भारी किल्लत, महीनों से तड़प रहे हीमोफीलिया मरीज; उपायुक्त से गुहार

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद। शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (एस.एन.एम.एम.सी.एच.), धनबाद में पिछले कई महीनों से हीमोफीलिया मरीजों के लिए सबसे जरूरी जीवनरक्षक दवाएं—घटक VII (7), घटक VIII (8) और घटक क (9)—उपलब्ध नहीं हैं। अस्पताल प्रशासन और अधीक्षक की कथित लापरवाही के कारण मरीजों की जान पर बन आई है। दवाओं की इस अनुपलब्धता से परेशान हीमोफीलिया समिति (धनबाद शाखा) ने अब जिले के उपायुक्त को आवेदन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप करने और दवाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।मरीजों पर मंडरा रहा विकलांगता और जान का खतरा समिति के अध्यक्ष मोहम्मद हसनैन हलीमी द्वारा उपायुक्त आदित्य रंजन को सौंपे गए पत्र के अनुसार, धनबाद और उसके आस-पास के क्षेत्रों में लगभग 145 से 150 हीमोफीलिया से पीड़ित व्यक्ति पूरी तरह से इस सरकारी अस्पताल पर निर्भर हैं। शरीर में रक्त के थक्के जमाने वाले इन आवश्यक 'घटकों' (7, 8 और 9) के न होने से मरीजों को लगातार अत्यधिक रक्तस्राव, असहनीय दर्द और जोड़ों की स्थायी क्षति (अपंगता) का सामना करना पड़ रहा है। समय पर इलाज न मिलने से मरीजों के जीवन पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है।अस्पताल प्रशासन ने लिखित चेतावनियों को किया अनसुना आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस गंभीर किल्लत के संबंध में कई बार अस्पताल प्रशासन और अधीक्षक डॉ. डी.के. गिंदौरिया को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने अब तक इन जीवनरक्षक दवाओं की खरीद और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।त्वरित कार्रवाई की मांग हीमोफीलिया समिति ने उपायुक्त से इस अत्यंत संवेदनशील और मानवीय विषय पर तत्काल संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। समिति ने मांग की है कि अस्पताल में घटक 7, 8 और 9 की शीघ्र आपूर्ति बहाल कराई जाए, ताकि जिले के हीमोफीलिया पीड़ितों को समय पर आवश्यक उपचार मिल सके और उन्हें अनावश्यक पीड़ा व स्थायी विकलांगता से बचाया जा सके।

पुराने मामले में फरार वारंटी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर। मांडर थाना पुलिस ने पुराने मामले में फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान थाना क्षेत्र के कंभीठा गांव निवासी स्वेब अंसारी के रूप में हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार स्वेब अंसारी लंबे समय से एक पुराने मामले में फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध वारंट जारी किया गया था। पुलिस को उसकी तलाश थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मंगलवार को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मांडर पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है।

हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल, आधा किलोमीटर तक घसीटने के बाद वाहन लेकर चालक फरार

दुमका/ रफ्तार मीडिया।

गोविंदपुर-साहिबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना क्षेत्र के रंगा मिशन फुटबॉल मैदान के पास एक अज्ञात कोयला हाइवा ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मंजिराबाड़ी निवासी 38 वर्षीय संतोष किस्कू के रूप में हुई है, जो अपनी होंडा लीवो बाइक से किसी निजी काम के लिए गोपीकांदर ब्लॉक कार्यालय जा रहे थे। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि टक्कर के बाद बाइक हाइवा में ही फंस गई, जिसे चालक करीब आधा किलोमीटर दूर दुगार्पुर (मंजड़िहा) पुल तक घसीटते हुए ले गया और फिर बाइक को वहां निकालकर वाहन सहित मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर गोपीकांदर थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत के निदेर्शानुसार एएसआई मनोज सोरेन ने पुलिस पेट्रोलिंग वाहन से घायल को तुरंत गोपीकांदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉ. हेमंत मुर्मू ने प्राथमिक उपचार के बाद संतोष के सिर, हाथ और कमर में आई गंभीर अंदरूनी चोटों को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए 108 एम्बुलेंस से दुमका के फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल पुलिस ने क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना परिसर लाया है और मामले की छानबीन करते हुए फरार हाइवा की तलाश शुरू कर दी है।

ईसीएल मुगमा एरिया के कुमारधुबी कोलियरी में मजदूरों का गुस्सा फूटा

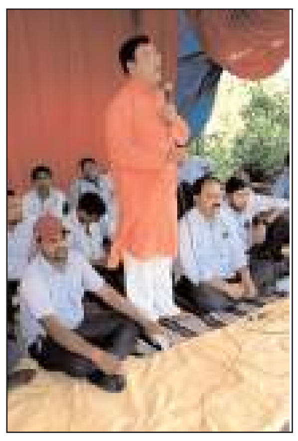

संवाददाता समामा औसाल, निरसा

16 सूत्री मांगों को लेकर बिहार कोलियरी कामगार यूनियन ने ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूनियन के बैनर तले मजदूर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं और प्रबंधन पर मजदूर हितों की अनदेखी का आरोप लगा रहे हैं। मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी भी दी गई है।

ईसीएल के कुमारधुबी कोलियरी के मुख्य द्वार के समक्ष बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के नेतृत्व में मजदूरों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरना स्थल पर यूनियन नेताओं और मजदूरों ने प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।

पिछले कई महीनों से हम अपनी मांगों को लेकर प्रबंधन से गुहार लगा रहे थे, लेकिन हमारी बातों को लगातार नजरअंदाज किया गया। मजबूर होकर हमें अनिश्चितकालीन धरना शुरू करना पड़ा है। जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जातीं, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे और भी व्यापक बनाया जाएगा।

यूनियन के एरिया सचिव रामजी यादव ने बताया कि 16 सूत्री मांगों में कोलियरी क्षेत्र में बढ़ रही कोयला और केबल चोरी पर रोक लगाने, पीएफ और पेंशन संबंधी गड़बड़ियों को दूर करने, डिस्पेंसरी में पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था बहाल करने तथा कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए तीन नए ड्रिफ्ट का प्रस्ताव लाने की मांग शामिल है।

इसके अलावा सिविल कार्यों में कथित भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और मजदूरों को आवास भत्ता जल्द उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई है।

धरना को संबोधित करते हुए यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रबंधन मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है और मनमानी रवैया अपना रहा है। वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों के अधिकारों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और संगठन हर स्तर पर संघर्ष के लिए तैयार है।

धरना स्थल पर रामजी यादव के साथ रौशन मिश्रा, रंजन यादव सहित बड़ी संख्या में यूनियन पदाधिकारी और मजदूर मौजूद रहे। अब सबकी नजर ईसीएल प्रबंधन पर टिकी है कि वह मजदूरों की मांगों पर क्या फैसला लेता है। फिलहाल कुमारधुबी कोलियरी में मजदूरों का यह आंदोलन आने वाले दिनों में और तेज होने के संकेत दे रहा है।

सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण योजनाओं की समीक्षा, 248 बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने की स्वीकृति

झुमरीतिलैया – उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण इकाई, कोडरमा की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम एसएफसीएसी समिति की बैठक के दौरान 248 बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस योजना के अंतर्गत एकल अथवा पूर्ण अनाथ बच्चों के पालन-पोषण एवं शिक्षा के लिए प्रति माह 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाती है। इससे पूर्व जिले में 512 बच्चों को इस योजना का लाभ प्रदान किया जा चुका है।उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक पात्र बच्चों को चिन्हित कर योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए, ताकि जरूरतमंद बच्चों को बेहतर संरक्षण एवं शिक्षा सुनिश्चित हो सके।बैठक में बाल संरक्षण जिला स्तरीय समिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह से संबंधित जो भी मामले संज्ञान में आए हैं, उनका नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही वात्सल्य सदन के निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने प्रत्येक प्रखंड में ग्राम स्तर पर बाल कल्याण समितियों के गठन का निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़े मामलों में स्थानीय स्तर पर सक्रिय निगरानी व्यवस्था विकसित की जाए। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय एवं सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत लाभुकों का शत-प्रतिशत भौतिक एवं वार्षिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिया गया। वहीं झारखंड मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना के लाभुकों का भी भौतिक एवं वार्षिक सत्यापन समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने का निर्देश सभी अंचल अधिकारियों को दिया गया।बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मतदान केंद्र में अनुपस्थित रहने के कारण दो बीएलओ से मांगा स्पष्टीकरण, मासिक मानदेय भी स्थगित

समामा औसाल, धनबाद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शों की अवहेलना करने एवं मतदान केंद्र पर अनुपस्थित रहने के कारण दो बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ को अपने दैनिक कार्य के अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक मतदाताओं की सुगमता हेतु अपने-अपने संबंधित मतदान केन्द्रों पर रहकर मैपिंग का कार्य सम्पादित करने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके झरिया विधानसभा के बूथ संख्या-199 की बीएलओ (आंगनबाड़ी सेविका) खुशबु कुमारी तथा झरिया विधानसभा के बूथ संख्या-200 की बीएलओ (सहिया) भारती देवी आज मतदान केंद्र पर उपस्थित नहीं थे।इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि आज जब हेल्प डेस्क मैनेजर, धनबाद ने दोनों बीएलओ को फोन पर सम्पर्क किया तब दोनों अपने-अपने मतदान केन्द्र पर अनुपस्थित पाई गई। उन्होंने कहा कि उनकी अनुपस्थिति विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति उनकी लापरवाही, उदासीनता तथा आदेश की अवहेलना को दशार्ता है। जबकि 2 जून 2026 को सभी बीएलओ को अपने दैनिक कार्य के? अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक मतदाताओं की सुगमता हेतु अपने-अपने संबंधित मतदान केन्द्रों पर रहकर मैपिंग का कार्य सम्पादित करने का निर्देश दिया गया था।

दोनों बीएलओ को 24 घटें के अन्दर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है कि क्यों नहीं उनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई करते हुए उनको उनके मूल पद से कार्य मुक्त कर दिया जाय। साथ में उक्त लापरवाही के आलोक में उनको मिलने वाले मासिक मानदेय को अगले आदेश तक स्थगित किया गया है।

सालानपुर में विकास की नई संरचनाः 16वें वित्त आयोग से बदलेगी ब्लॉक की तस्वीर, पंचायत समिति की बैठक में बना रोडमैप

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

त्रि-स्तरीय पंचायत व्यवस्था के तहत सालानपुर ब्लॉक में विकास कार्यों को गति देने के लिए पंचायत समिति की जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित की गई। ब्लॉक विकास अधिकारी देवांजन विश्वास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सोलहवें वित्त आयोग के फंड से शुरू होने वाले विकास कार्यों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में ब्लॉक सूचना अधिकारी शुभाशीष राय ने बताया कि प्रत्येक पंचायत को 16वें वित्त आयोग के तहत 25-30 लाख से 70-80 लाख रुपये तक का आवंटन मिलेगा। फंड का 50% टाइड फंड पेयजल और स्वच्छता, 20% अनटाइड फंड सड़क निर्माण व मरम्मत और 30% अनटाइड फंड पंचायत की अन्य योजनाओं पर खर्च होगा। सभी पंचायतों को 15 जून तक अपनी विशिष्ट विकास योजनाएं जमा करने के निर्देश दिए गए। बीडीओ देवांजन विश्वास ने समय पर प्लानिंग के साथ काम पूरा करने पर जोर दिया। बैठक में कुसुमकानली से कल्याणग्राम तक सड़क मरम्मत, रूपनारायणपुर से हिंदुस्तान केबल्स अपर केशिया तक मुख्य सड़क का जीर्णोद्धार और डाबर मोड़ पर जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए नाला व कलवर्ट निर्माण पर तत्काल चर्चा हुई। विधायक प्रतिनिधि चिन्मय तिवारी के माध्यम से एडीए के तहत हिंदुस्तान केबल्स रोड की मरम्मत के लिए विधायक से हस्तक्षेप की मांग की गई। जल जीवन मिशन का काम फिलहाल रुका है। राज्य सरकार केंद्र के साथ समन्वय कर काम जल्द पूरा कराएगी। तब तक पंचायतें अपने फंड से ट्यूबवेल और सबमर्सिबल की व्यवस्था करेंगी। चिन्मय तिवारी ने बताया कि ब्लॉक में नए तालाब खोदे जाएंगे और पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार कर भूजल स्तर सुधारा जाएगा। जिला परिषद कर्माध्यक्ष मोहम्मद अरमान ने कहा कि ग्राम पंचायतें छोटे कार्यों को चिन्हित कर पूरा करें, बड़े बजट के काम जिला परिषद और विधायक निधि से कराए जाएंगे। ब्लॉक प्रशासन के अनुसार, राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद सालानपुर ब्लॉक में इस तरह की विकासमूलक बैठक पहली बार हुई है। इसे बेहद फलदायी बताया जा रहा है।

रक्तदान, महादानः बाराबनी युवा मंडल के शिविर में जुटे 25 यूनिट रक्त, विधायक अरिजीत रॉय ने बढ़ाया हौसला

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए बाराबनी युवा मंडल-8 के तत्वावधान में जीतपुर-उत्तरामपुर ग्राम पंचायत के नेताजी कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजित किया गया। शिविर में स्थानीय युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्य अतिथि बाराबनी विधायक अरिजीत रॉय ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान महादान है जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों में भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। शिविर में स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल, पश्चिम बंगाल और आसनसोल जिला अस्पताल की चिकित्सा टीम ने स्वास्थ्य जांच के बाद सुरक्षित तरीके से 25 यूनिट रक्त संग्रहित किया। यह रक्त जरूरतमंद मरीजों के उपचार में काम आएगा। बाराबनी युवा मंडल ने सभी रक्तदाताओं, डॉक्टरों और सहयोगियों का आभार जताया। आयोजकों ने कहा कि समाजहित में ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आगे भी होते रहेंगे।

देवी मंडप में 24 घंटे का अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ शुरू, भक्तिमय हुआ वातावरण

झुमरी तिलैया – शहर के देवी मंडप प्रांगण में मंगलवार से 24 घंटे के अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह मंगल ध्वनि, शंखनाद एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आरंभ हुआ यह पाठ लगातार 24 घंटे तक चलेगा, जिसकी पूणार्हुति बुधवार सुबह होगी। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

अखंड मानस पाठ के दौरान मंदिर परिसर भक्ति गीतों और रामचरितमानस की चौपाइयों से गुंजायमान रहा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पाठ में भाग ले रहे हैं।

मंदिर के मुख्य पुजारी ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ जैसे धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व होता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है तथा लोगों में धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है।

इस अवसर पर कृष्ण मुरारी पाण्डेय, बरुण कुमार पाण्डेय, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, छोटेलाल पाण्डेय, हीरालाल पाण्डेय, रविन्द्र पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, धनंजय पाण्डेय, ऋषिकांत पाण्डेय, राधेश्याम पाण्डेय, शशिभूषण ओझा, इंदुभूषण ओझा, मोहन पाण्डेय, उमाशंकर पाण्डेय, अवध किशोर पाण्डेय, रामप्रसाद शर्मा, पीहू, सुचित्रा देवी सहित दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित थे।

धनबाद डीआरएम कार्यालय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन, यात्रियों की सुरक्षा और रेल की उन्नति के लिए की गई प्रार्थना

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद: धनबाद रेल मंडल कार्यालय परिसर स्थित दुर्गा मंडप में धार्मिक अनुष्ठान के तहत सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में धनबाद रेल मंडल के डीआरएम (मंडल रेल प्रबंधक) अखिलेश मिश्रा अपनी धर्मपत्नी के साथ मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए और पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।अनुष्ठान के दौरान डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने देश भर के लाखों रेल यात्रियों की सुरक्षित यात्रा, रेल कर्मचारियों के सुख-समृद्ध जीवन, रेल संचालन की निरंतर सफलता और रेल दुर्घटनाओं से बचाव के लिए विशेष प्रार्थना की। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों ने हिस्सा लिया और सुंदरकांड की चौपाइयों का पाठ कर माहौल को भक्तिमय बना

दिया।समारोह में उपस्थित रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि इस तरह के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन न केवल आपसी सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करते हैं, बल्कि कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर कार्यक्षमता और सेवा भावना को भी बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम का समापन भव्य आरती और उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण के साथ हुआ।देश की प्रगति में धनबाद रेल डिवीजन की अहम सहभागिता होः डीआरएमइस अवसर पर डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से पूरे रेल परिवार को एक साथ आने का अवसर मिलता है। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता रेल यात्रियों की सुरक्षा और उन्हें बेहतर सेवाएं सुनिश्चित कराना है। पूजा-अर्चना के माध्यम से हमने भारतीय रेल की समृद्धि और धनबाद रेल डिवीजन की देश की प्रगति में एक अहम सहभागिता बने रहने की कामना की है।

आधार लेने गई विवाहिता से मारपीट: मिहिजाम में ससुराल वालों पर एफआईआर, धमकी देने का भी आरोप

दिनेश कुमार रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता मिहिजाम
पियालशोला गांव में एक विवाहिता से मारपीट, दुर्व्यवहार और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की शिकायत पर मिहिजाम थाना में कांड संख्या 37/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नाराडीह निवासी 21 वर्षीय नाजिया खातून का निकाह 2024 में पियालशोला के मुरस्लिम अंसारी से हुआ था। वैवाहिक विवाद के चलते वह मायके में रह रही थी। आरोप है कि 7 जून को आधार कार्ड लेने ससुराल पहुंची नाजिया से ससुराल वालों ने गाली-गलौज की और विरोध पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता का आरोप है कि थाना जाते समय रास्ते में दो युवकों ने उसे रोककर पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी के निर्देश पर एएसआई सीमा हेम्ब्रम को जांच सौंपी गई है। पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कुख्यात अपराधी प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल की अचल संपत्ति की मापी ?

रफ्तार मीडिया मिथिलेश यादव पलामूः कुख्यात अपराधी प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल की संपत्ति का आकलन पलामू पुलिस ने शुरू किया है. प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल विनीत तिवारी अपहरण हत्याकांड का मुख्य आरोपी है और फरार चल रहा है.
मंगलवार को पलामू पुलिस एवं सदर अंचल कार्यालय की एक टीम प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल के घर पर पहुंची और घर और जमीन का मापी की है. इस दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक टीम ने इस बात की जांच की है कि प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल का घर कौन सी जमीन पर बना है और इसका वास्तविक मालिक कौन है? कब्जे वाले जमीन पर कौन मालिक है? किसी जमीन पर जबरदस्ती या अवैध रूप से कब्जा तो नहीं किया गया है?
पलामू एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि आरोपी प्रदीप तिवारी की संपत्ति का आकलन किया जा रहा है, आकलन के बाद संपत्ति की जब्त करने की भी प्रक्रिया शुरू की जाएगी.
दरअसल 25 अप्रैल को पलामू के टाउन थाना क्षेत्र से विनीत तिवारी नामक युवक का अपहरण हुआ और बाद में उसकी हत्या कर दी गई. हत्या का आरोप प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल एवं अन्य लोगों पर लगा था. पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए प्रदीप तिवारी के भाई और मुख्य आरोपी में से एक मिंटू तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. जबकि घर में मौजूद तीन गाड़ियों को भी जब्त की गयी. कुछ दिनों पहले ही पुलिस ने विनीत तिवारी हत्याकांड के मामले में प्रदीप तिवारी एवं तीन अन्य आरोपियों के घर पर इश्तेहार चिपकाया था।

ग्रामीण क्षेत्रों में 5000 वर्गफीट या उससे अधिक के क्षेत्रफल के भवनों/दुकानों/कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए जिला परिषद, धनबाद से नक्शा पास कराना अनिवार्य; उल्लंघन पर लगेगा भारी जुमार्ना

समामा औसाल, धनबाद
ग्रामीण विकास विभाग (पंचायती राज), झारखंड सरकार के संकल्प के आलोक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत 'झारखंड पंचायत भूमि विकास (नक्शा एवं भवन निर्माण) नियमावली, 2017' के अंतर्गत 'झारखंड बिल्डिंग बायलॉज 2016' को संशोधित करते हुए अब इसे पंचायती राज संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र (ग्रामीण क्षेत्रों) में भी पूर्णतः अंगीकृत कर लागू कर दिया गया है।
इस नए नियम के प्रभावी होने के पश्चात ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के भवन निर्माण के लिए नक्शा पारित करने की शक्तियां अब जिला परिषद को प्रदान की गई हैं। अतः अब से ग्रामीण क्षेत्रों में किए जाने वाले किसी भी प्रकार के व्यावसायिक या आवासीय भवनों, मकानों के निर्माण हेतु जिला परिषद से विधिमान्य नक्शा स्वीकृत कराना कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया गया है।
इस संबंध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 5000 वर्गफीट अथवा उससे अधिक क्षेत्रफल पर बनने वाले किसी भी मकान, दुकान, अथवा व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व, निर्माणकर्ता को जिला परिषद, धनबाद से अनिवार्य रूप से नक्शा स्वीकृत (पारित) कराना होगा।
यदि किसी निर्माणकर्ता या भूस्वामी द्वारा इस नियम की अनदेखी कर बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण कार्य कराया जाता है, तो उसे पूरी तरह से नियम विरुद्ध और अवैध माना जाएगा। जांच के दौरान बिना नक्शा पास कराए निर्माण कार्य करते हुए पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था से दंड स्वरूप एक बड़ी राशि (जुमार्ना) वसूल की जाएगी तथा नियमसंगत कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।
अतः सभी नागरिकों, विकासकताओं (डेवलपर्स) और निर्माणकताओं से अपील की जाती है कि वे किसी भी प्रकार के अप्रिय कानूनी विवाद और भारी जुमार्ने से बचने के लिए निर्माण कार्य शुरू करने से पहले जिला परिषद कार्यालय, धनबाद में संपर्क कर अपनी फाइलों को नियमानुसार स्वीकृत करा लें।

प्रशासनिक सफलताः शत-प्रतिशत गृह सूचीकरण ब्लॉक कार्य पूर्ण कर गोविंदपुर बना धनबाद जिले का पहला सफल प्रभार

जनगणना अभियान के तहत निर्धारित समय-सीमा के भीतर 500 से अधिक ब्लॉकों का त्रुटिरहित कार्य मुकम्मल; प्रभार पदाधिकारी धर्मेंद्र दुबे के नेतृत्व को मिली सराहना

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया धनबादःभारत सरकार के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय अभियान 'जनगणना' के अंतर्गत धनबाद जिले के गोविंदपुर प्रभार (चार्ज) ने धरातल पर कड़े परिश्रम और उत्कृष्ट प्रशासनिक तालमेल का परिचय देते हुए पूरे जिले में सबसे पहले अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। गोविंदपुर प्रभार द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत एचएलबी यानी गृह सूचीकरण ब्लॉक (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) पूर्णता हासिल कर एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया गया है। गोविंदपुर अब धनबाद जिले का पहला ऐसा क्षेत्र बन गया है जिसने इस जटिल प्रक्रिया को पूरी तरह संपन्न कर लिया है।
500 से अधिक गृह सूचीकरण ब्लॉकों का कार्य पूरी तरह त्रुटिरहित
आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गोविंदपुर प्रभार ने कुल 500 से अधिक (500+) गृह सूचीकरण ब्लॉकों को बिना किसी तकनीकी गड़बड़ी के और पूर्ण रूप से संपन्न कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रभार के प्रगणकों (एन्यूमरेटर्स) और पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर्स) द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए निरंतर, संयमित और कठोर परिश्रम का सीधा परिणाम है।बेहतर क्षेत्रीय निगरानी और कुशल नेतृत्व से मिली कामयाबी

जिला प्रशासन ने इस राष्ट्रीय कार्य में जुड़े अधिकारियों के कुशल नेतृत्व की खुलकर सराहना की है। यह पूरी प्रक्रिया गोविंदपुर के प्रभार पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी धर्मेंद्र दुबे के कुशल मार्गनिर्देशन और सहायक प्रभार पदाधिकारी मोहम्मद जसीम अख्तर के द्वारा लगातार किए गए क्षेत्रीय अनुश्रवण (फील्ड मॉनिटरिंग) व अथक प्रयासों से संभव हो सकी है। अधिकारियों की सक्रियता के कारण ही प्रगणक बिना किसी बाधा के घर-घर जाकर डेटा संकलित करने में सफल रहे।क्षेत्रीय प्रशिक्षकों ने रखी सफलता की मजबूत नींव इस राष्ट्रीय अभियान की सफलता की असली नींव क्षेत्रीय प्रशिक्षकों (फील्ड ट्रेनर्स) द्वारा रखी गई थी। इन प्रशिक्षकों ने अभियान की शुरूआत में ही सभी पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को उच्च गुणवत्ता का तकनीकी, डिजिटल और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया था। इस गहन प्रशिक्षण के कारण ही धरातल स्तर पर आंकड़ों के संकलन में शुद्धता, पारदर्शिता और तीव्र गति सुनिश्चित हो सकी।
लक्ष्य हासिल होने के बाद जिला जनगणना कार्यालय ने गोविंदपुर प्रभार के सभी प्रगणकों, पर्यवेक्षकों, प्रशिक्षकों और जिम्मेदार अधिकारियों को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही, जिला प्रशासन ने यह संकल्प दोहराया है कि 'गुणवत्ता, समर्पण और समयबद्धता' के इसी मूलमंत्र के साथ धनबाद जिले के अन्य सभी प्रभारों में भी जनगणना के लक्ष्यों को जल्द से जल्द 100 प्रतिशत तक पहुंचाया जाएगा।
जिले में अव्वलः धनबाद के सभी प्रभारों को पीछे छोड़ते हुए गोविंदपुर ने गृह सूचीकरण का कार्य सबसे पहले किया पूरा।
विशाल लक्ष्यःसुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों को समेटते हुए 500 से अधिक गृह सूचीकरण ब्लॉकों का डेटा तैयार।
तकनीकी शुद्धताः डिजिटल माध्यम से जुटाए गए आंकड़ों को त्रुटिरहित बनाने में क्षेत्रीय प्रशिक्षकों की रही अहम भूमिका।
प्रशासनिक संकल्पः गोविंदपुर की तर्ज पर अब जिले के अन्य प्रखंडों और प्रभारों में भी कार्य तेज करने की कवायद शुरू।

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया कुजू (रामगढ़): कुजू ओपी क्षेत्र के टोटी झरना साप्ताहिक बाजार में हुए मारपीट मामले में कुजू पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस घटना में गंभीर रूप

से घायल हुए मुंडा टोली निवासी अशोक मुंडा की उपचार के दौरान मौत हो गई थी, जबकि अनिल करमाली गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।
मृतक के परिजनों द्वारा कुजू ओपी में आवेदन दिए जाने के बाद मांडू (कुजू) थाना कांड संख्या 127/2026, दिनांक 06.06.2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि मामले में नामजद अभियुक्त राजेश मांझी (26 वर्ष) एवं अंजुलुश मांझी उर्फ तलकू मांझी (30 वर्ष), दोनों निवासी बजरमारी मांझी टोला, थाना मांडू (कुजू), जिला रामगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।
जानकारी के अनुसार, बीते शुक्रवार की शाम टोटी झरना साप्ताहिक बाजार में मामूली विवाद को लेकर अशोक मुंडा और अनिल करमाली के साथ मारपीट की गई थी। घटना में अशोक मुंडा की मौत हो गई, जबकि अनिल करमाली घायल हैं।
पुलिस के अनुसार, घटना के बाद आरोपी फरार चल रहे थे। ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, एएसआई आशीष कुमार गौतम एवं नागेंद्र सिंह के नेतृत्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आयोजित

पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चल रही है मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया : अनंत कुमार

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :
नारायणपुर प्रखंड सभागार में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी देना तथा राजनीतिक दलों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में जामताड़ा अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, अंचल अधिकारी देवराज गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान एसआईआर प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई और मतदाता सूची

को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए अपनाई जा रही प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीओ अनंत कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध, सटीक और अद्यतन बनाया जाता है।उन्होंने कहा कि जिले में एसआईआर प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और प्रशासन इसे पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अंचल अधिकारी देवराज गुप्ता ने कहा कि इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य केवल पात्र और वास्तविक मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करना है।इसके लिए विभिन्न स्तरों पर जांच, सत्यापन और दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि या गड़बड़ी की संभावना न रहे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वे इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें तथा आवश्यक सुझाव देकर मतदाता सूची को और अधिक सटीक बनाने में प्रशासन की मदद करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित की जा रही है।

परिमल नथानी के नामांकन पर सीपीआई का भाजपा पर हमला, नामांकन रद्द करने की मांग

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया कुजू रामगढ़ : राज्यसभा चुनाव के लिए परिमल नथानी के नामांकन दाखिल करने के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक ने अपने आवासीय कार्यालय में भाजपा पर आरोप लगाते हुए प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा ने हमेशा झारखंड के हितों की उपेक्षा की है और राज्यसभा चुनाव में भी झारखंडी उम्मीदवारों को नजरअंदाज किया गया है।

महेंद्र पाठक ने कहा कि परिमल नथानी ने धनबल के आधार पर राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नामांकन पत्र में कई त्रुटियां हैं, लेकिन उन्हें सुधारने के बजाय वे दिल्ली चले गए। पाठक ने कहा कि भाजपा झारखंड के किसी स्थानीय उम्मीदवार को आगे नहीं ला सकी और बाहरी उम्मीदवार को मैदान में उतारा गया है।
सीपीआई नेता ने यह भी आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में धनबल का इस्तेमाल कर विधायकों को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि परिमल नथानी रिलायंस समूह से जुड़े हैं और एक बार फिर राज्यसभा पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।